सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

वर्ष- 14 अंक - 306 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 18 अगस्त 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास - खबर

मणिपुर में भड़की हिंसा, गोलीबारी में तीन कुकी नागरिकों की मौत सुरक्षा बलों ने संभाला मोर्चा

इंफाल (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों की शांति के बाद हिंसाग्रस्त मणिपुर में शुक्रवार सुबह एक बार फिर हिंसा भड़क गई। सूत्रों के मुताबिक, सुबह करीब 5.30 बजे उखरुल जिले के लिटन पुलिस स्टेशन के अंतर्गत थवई कुकी गांव में संदिग्ध मैतेई सशस्त्र बदमाशों और कुकी स्वयंसेवकों के बीच गोलीबारी हुई। इसमें तीन कुकी लोगों के मारे जाने की खबर है। बीएसएफ सहित सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेरकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। क्षेत्र में स्थिति तनावपूर्ण बताई गई है। सूत्रों के मुताबिक, मैतेई उपद्रवियों ने सबसे पहले गांव के ड्यूटी पोस्ट पर हमला किया, जहां स्वयंसेवक गांव की सुरक्षा के लिए ड्यूटी कर रहे थे। इस गोलीबारी में कुकी स्वयंसेवकों के तीन लोगों के मारे जाने की खबर है। मारे गए लोगों की पहचान जामखोगिन हाओकिप (26), थांगखोकाई हाओकिप (35) और होलेनसोन बाइते (24) के रूप में हुई है।

उल्लेखनीय है कि यह गांव मैतेई आबादी क्षेत्र से काफी दूर स्थित है। निकटतम मेइतेई निवास यिंगांगपोकपी में है जो घटना स्थल से 10 किलोमीटर से अधिक दूर है। बताया जा रहा है कि घटनास्थल से 37 बीएन बीएसएफ (महादेव) करीब पांच से छह किलोमीटर दूर है। घटना के बाद बीएसएफ सहित अन्य सुरक्षाबल मौके पर पहुंच गए हैं। सुरक्षाबलों ने पूरे क्षेत्र को घेरकर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

बता दें कि मणिपुर में बहुसंख्यक मैतई समुदाय जनजातीय आरक्षण देने की मांग कर रहा है। इसकी वजह ये है कि मैतई समुदाय की आबादी करीब 53 प्रतिशत है लेकिन ये लोग राज्य के सिर्फ10 प्रतिशत मैदानी इलाके में रहते हैं। वहीं कुकी और नगा समुदाय राज्य के पहाड़ी इलाकों में रहते हैं जो की राज्य का करीब 90 फीसदी है। जमीन सुधार कानून के तहत मैतई समुदाय के लोग पहाड़ों पर जमीन नहीं खरीद सकते, जबकि कुकी और नगा समुदाय पर ऐसी कोई पाबंदी नहीं है। यही वजह है, जिसकी वजह से हिंसा शुरू हुई और अब तक इस हिंसा में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

वहीं केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने मणिपुर हिंसा की जांच शुरू कर दी है। इसके लिए 53 अफसरों की टीम बनाई गई है, जिसमें 29 महिला अफसरों को शामिल किया गया है। सीबीआई की टीम में तीन डीआईजी लवली कटियार, निर्मला देवी और मोहित गुप्ता और सुपरीटेंडेंट ऑफ पुलिस राजवीर सिंह भी शामिल हैं।

विजय के जरिए सीएम भूपेश को बांधने की रणनीति में कितना कामयाब होगी भाजपा?

श्रीकंचनपथ न्यूज़

भिलाई। भाजपा केन्द्रीय चुनाव समिति की दिल्ली में हुई बैठक के बाद छत्तीसगढ़ के 21 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई। इस सूची में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्वाचन क्षेत्र पाटन से सांसद विजय बघेल को मैदान में उतारा गया है। यह चौथा अवसर होगा, जब चाचा-भतीजे की यह जोड़ी विधानसभा चुनाव में आमने-सामने होगी। 'श्रीकंचनपथ' ने अपने 9 अगस्त के अंक में ही इस खबर को "सीएम भूपेश के खिलाफ विजय बघेल को चुनाव लड़वा सकती है पार्टी, भाजपा से मिले संकेत" शीर्षक से प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसी खबर में इस बात का भी उल्लेख था कि भाजपा अपने सांसदों, पूर्व सांसदों और वरिष्ठ नेताओं को भी मैदान में उतारने की तैयारी में है। पार्टी आलाकमान द्वारा जारी सूची में इस खबर की पुष्टि होती है।

उल्लेखनीय है कि भूपेश बघेल व विजय बघेल विधानसभा चुनाव में तीन बार आमने-सामने हो चुके है। 2003 में विजय बघेल ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बैनर तले भूपेश के खिलाफ चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में विजय बघेल को पराजय मिली थी। इसके बाद 2009 में विजय बघेल भाजपा की टिकट पर प्रत्याशी थे। इस चुनाव में पहली बार उन्होंने जीत हासिल की और विधानसभा पहुंचे। 2013 में एक बार फिर चाचा-भतीजे की यह जोड़ी आमने-सामने थी, लेकिन इस बार विजय बघेल को भूपेश बघेल के हाथों दूसरी बार हार का सामना करना पड़ा। 2018 के चुनाव में भाजपा ने जातीय समीकरणों के मद्देनजर मोतीलाल साहू को प्रत्याशी बनाया था। विजय बघेल वर्तमान में कुर्मी समाज के प्रदेश अध्यक्ष हैं और उन्हें समाज का भरपूर समर्थन भी हासिल है। ऐसे में पाटन में इस बार का मुकाबला दिलचस्प होने की पूरी संभावना है। लेकिन यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या भाजपा, सीएम भूपेश बघेल को पाटन के खुंटे में बांधने में कामयाब हो पाएगी?

दरअसल, 2018 के चुनाव में भूपेश बघेल ने पाटन से प्रत्याशी रहते हुए पूरे प्रदेश में जोरदार और आक्रामक प्रचार किया था। जबकि अपने क्षेत्र को उन्होंने समर्थकों के भरोसे लगभग खुला छोड़ दिया था। भाजपा ने मोतीलाल साहू को उनके सामने प्रत्याशी बनाया था, जिन्हें अपेक्षाकृत कमजोर माना गया था। शायद इसीलिए इस बार पार्टी ने भूपेश बघेल को अपने क्षेत्र तक सीमित रखने की रणनीति बनाई है। जाहिर तौर पर भाजपा के पास विजय बघेल से बड़ा चेहरा दुर्ग जिले में नहीं है। 2018 और वर्तमान चुनाव में एक बड़ा अंतर यह भी है कि इस बार भूपेश बघेल प्रत्याशी नहीं हैं बल्कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री मैदान में हैं। ऐसे में भाजपा के लिए यहां से मजबूत प्रत्याशी देना बड़ी चुनौती थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने विजय बघेल को लोकसभा का प्रत्याशी बनाकर बड़ा दांव खेला था और यह दांव कामयाब भी रहा। क्षेत्रानुसार आंकलन करें तो विजय बघेल वर्तमान में जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों के साथ ही 3 अन्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व भी करते हैं। शायद यही वजह है कि पार्टी ने उन्हें बड़े और चुनौतीपूर्ण मुकाबले के लिए चुना है।

बहरहाल, गुरूवार सुबह से ही यह खबर आ रही थी कि दिल्ली में हुई पार्टी की बैठक में काफी कुछ हुआ है। दोपहर होते-होते छत्तीसगढ़ से 27 प्रत्याशियों के नाम फायनल होने की भी जानकारी मिली, किन्तु दोपहर में ही पार्टी ने 21 नामों का ऐलान कर दिया। इस सूची को देखें तो ज्यादातर नए चेहरों को मौका दिया गया है। 21 प्रत्याशियों की इस सूची में सबसे बड़ा नाम रामविचार नेताम का है, जो छत्तीसगढ़ में केबिनेटमंत्री और केन्द्र में राज्यमंत्री के ओहदे पर रह चुके हैं। अभी कुछ महीनों पहले ही राज्यसभा से उनका कार्यकाल खत्म हुआ था। उनके बाद दूसरा बड़ा चेहरा दुर्ग के सांसद विजय बघेल का है।

श्रीकंचनपथ
लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

भिलाई, बुधवार 9 अगस्त 2023

सीएम भूपेश के खिलाफ विजय बघेल को विधानसभा चुनाव लड़वा सकती है पार्टी, भाजपा से मिले संकेत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भाजपा के लिए प्रदेश से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सिरदर्द बन चुके छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को घेरने के लिए पार्टी नया व्यूह रचने जा रही है। इसके लिए आंतरिक तौर पर तैयारियां शुरू हो चुकी है। प्रत्याशी को भी तैयार रहने को कह दिया गया है। यदि सब कुछ ऐसा ही रहा तो इस बार पाटन में दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। आमतौर पर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के खिलाफ विरोधी दल अपेक्षाकृत कमजोर प्रत्याशी उतारते हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ में इस बार हालात जुदा हो सकते हैं। 2018 में भाजपा ने भूपेश बघेल के खिलाफ जातीय व सामाजिक समीकरणों के तहत मोतीलाल साहू को प्रत्याशी बनाया था।

पाटन क्षेत्र को कांग्रेस का गढ़ कहा जा सकता है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद यहां अब तक कुल 4 विधानसभा चुनाव हुए हैं, जिनमें से 3 बार कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में भूपेश बघेल ने जीत हासिल की। एक बार उन्हें पराजय का भी सामना करना पड़ा। पृथक राज्य बनने के बाद 2003 में पहली बार चुनाव हुए थे। पाटन से भूपेश बघेल प्रत्याशी थे। जीत भूपेश की ही हुई। लेकिन 2008 में वे अपनी इस जीत को बरकरार नहीं रख पाए। तब उनके भतीजे विजय बघेल ने बतौर भाजपा प्रत्याशी उन्हें करीब 8000 वोटों से हराकर सनसनी फैला दी थी। इसी के बाद विजय बघेल को मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने संसदीय सचिव का दायित्व सौंपा था। लेकिन 2013 और 2018 के चुनाव में फिर से भूपेश बघेल ने कांग्रेस का परचम लहराया। अब खबर यह आ रही है कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व पाटन से विजय बघेल को फिर से मैदान में उतार सकता है। विजय बघेल दुर्ग संसदीय सीट से सांसद हैं। हाल ही में भाजपा ने विजय बघेल को चुनाव घोषणा-पत्र समिति का संयोजक बनाकर उनका कद बढ़ाया है। कुछ महीनों पहले तक उन्हें प्रदेश भाजपा का अध्यक्ष बनाए जाने की भी चर्चा थी, हालांकि जातीय समीकरणों को देखते हुए, यह पद बाद में बिलासपुर के सांसद अरूण साव को दिया गया। छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के साथ ही कुर्मी व साहू वोटर्स की बाहुल्यता है।

श्रीकंचनपथ की खबर पर भाजपा आलाकमान की मुहर

कांग्रेस के सबसे मुखर सीएम हैं भूपेश

कांग्रेस आलाकमान का विश्वास हासिल करने के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल केन्द्र सरकार और खासकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ काफी आक्रामक रहे हैं। कांग्रेस शासित अन्य मुख्यमंत्रियों की अपेक्षा भूपेश ज्यादा बेहतर तरीके से भाजपा और केन्द्र सरकार को घेरते रहे हैं। यही वजह है कि भाजपा शीर्ष नेतृत्व को भूपेश बघेल फूटी आंख नहीं सुहा रहे। पार्टी को इस बात का भी अंदेशा है कि यदि भूपेश बघेल को घेरा नहीं गया तो वे छत्तीसगढ़ में एक बार फिर से सरकार बनाने में कामयाब हो सकते हैं। इसलिए उन्हें सबसे पहले उनके अपने क्षेत्र में घेरने की रणनीति बनाई गई है। इधर, यह भी चर्चा चल रही है कि भूपेश बघेल पाटन के अलावा एक अन्य क्षेत्र खैरागढ़ से भी चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि पार्टी के सूत्र इसे वास्तविकता से परे बता रहे हैं।

हाईकमान का संकेत स्पष्ट

पार्टी के जानकारों के मुताबिक, अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि विजय बघेल को पाटन क्षेत्र से ही चुनाव लड़ाया जाएगा। लेकिन यह सौ फीसद सच है कि हाईकमान ने उन्हें तैयार रहने को कह दिया है। दरअसल, राजनीतिक परिस्थितियां ऐसी बन रही है कि विजय बघेल किसी और क्षेत्र में फिट होते नहीं दिखते। वैसे भी, उनका कर्मक्षेत्र पाटन ही रहा है। हालांकि 2008 में जब विजय बघेल ने भूपेश बघेल के खिलाफ जीत दर्ज की थी, तब की परिस्थितियों और वर्तमान परिस्थितियों में जमीन-आसमान का फर्क है। वर्तमान में भूपेश बघेल सिर्फ विधायक नहीं बल्कि प्रदेश के मुखिया भी है। उनके सामने चुनाव लड़ना विजय बघेल के लिए बड़ी चुनौती हो सकती है, लेकिन पार्टी सूत्रों का मानना है कि यदि विजय बघेल को लड़ाया जाता है और वे नतीजा हासिल करने में भी कामयाब होते हैं तो उन्हें पार्टी बड़ा पुरस्कार दे सकती है। हाल ही में एक न्यूज़ चैनल ने इस संदर्भ में विजय बघेल से बात भी की थी। सवाल यह पूछा गया था कि क्या वे पाटन से चुनाव लड़ेंगे? इस पर बघेल का कहना था कि यदि पार्टी ऐसा फैसला करती है तो वे फैसले पर अमल करने को तैयार हैं।

इतनी हड़बड़ी में क्यों है भाजपा

अभी विधानसभा चुनाव को करीब 3 महीने का वक्त शेष है। निर्वाचन आयोग ने चुनाव की घोषणा भी नहीं की है, बावजूद इसके भाजपा के अंदरखाने लगातार चल रही बैठकें और उसके बाद प्रत्याशियों का ऐलान यह सवाल जरूर पैदा करता हैं कि आखिर पार्टी को इतनी जल्दी क्या है? दरअसल, एक-एक कर कई राज्य हाथ से फिसलने के बाद भाजपा को नई रणनीति अपनानी पड़ी है। कांग्रेस ने कुछ समय पहले कर्नाटक चुनाव में इसी तरह का प्रयोग किया था, जो कामयाब भी रहा और वहां कांग्रेस अपनी सरकार बनाने में कामयाब हुई। इसी के मद्देनजर भाजपा ने भी कर्नाटक फार्मूले को अपनाया है। भाजपा के भीतर से जो खबरें आ रही है, उसके मुताबिक, सितम्बर के मध्य तक पार्टी ज्यादातर सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कर सकती है। जानकारों का मानना है कि जिन 21 प्रत्याशियों की सूची जारी की गई है, उनमें ज्यादातर नए चेहरे है। ऐसे में इन चेहरों को चुनाव की तैयारियों और प्रचार आदि के लिए भरपूर वक्त मिल पाएगा। चुनावी रणनीति भी बनाने को काफी समय होगा। 21 प्रत्याशियों का ऐलान कर वास्तव में भाजपा ने सत्तारूढ़ दल से लीड हासिल कर ली है।

क्या भाजपा के लिए कमजोर है पाटन सीट?

पार्टी के जानकारों का मानना है कि पहली सूची में जिन क्षेत्रों से प्रत्याशी उतारे गए हैं, वहां भाजपा कमजोर हालत है। ऐसे में यह भी माना जा सकता है कि पार्टी ने सीएम भूपेश बघेल के निर्वाचन क्षेत्र पाटन को अपने लिए कमजोर या बेहद चुनौतीपूर्ण सीट माना है और यही वजह है कि यहां से अपने सबसे बड़े चेहरे को मैदान में उतारा है। हालांकि प्रत्याशी चयन में इस बार सबसे ज्यादा जातीय समीकरणों को ध्यान में रखा गया है। सीएम भूपेश के खिलाफ विजय बघेल पार्टी की नजरों में हर तरह से सटीक माने गए। इससे आने वाली सूचियों के लिए एक संकेत भी मिलता है, कि पार्टी टिकट वितरण में किस तरह के मापदंड तय कर रही है।

अपनी चलाने में काफी कुछ कामयाब रहे डॉ. रमन

पिछले एक पखवाड़े में पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के शीर्ष नेताओं के साथ कई बार बैठकें की और यह बैठकें काफी लम्बी भी चली। इन सभी बैठकों में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री व भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मौजूद रहे। बुधवार को देर रात तक चली केन्द्रीय चुनाव समिति की बैठक में भी डॉ. रमन उपस्थित थे। भले ही पार्टी ने संगठन और निजी एजेंसियों से करवाए गए सर्वे की रिपोर्ट सामने रखकर नाम तय किए हैं, किन्तु प्रत्याशियों के नामों पर मुहर लगाने में डॉ. रमन की भूमिका को भी कमतर नहीं आंका जा सकता। डॉ. रमन को पार्टी ने इस बार सीएम के लिए प्रोजेक्ट नहीं किया है, जबकि मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान के चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कही गई है। जानकारों की मानें तो पार्टी ने कुल 4 कैटेगरी तय की थी। इनमें से ए कैटेगरी में उन सीटों को शामिल किया गया, जहां भाजपा ने हर बार चुनाव जीता है। वहीं बी कैटेगरी में उन सीटों का नाम था, जहां पार्टी को जीत और हार दोनों मिली। इसी तरह सी कैटेगरी में उन सीटों को रखा गया, जहां पार्टी कमजोर है। अंत में डी कैटेगरी की सीटों को रखा गया, जहां भाजपा ने कभी जीत हासिल नहीं की। जिन 21 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए गए हैं, वे सी और डी कैटेगरी की सीटें हैं।

हिमाचल के आपदा पीड़ितों को छत्तीसगढ़ से 11 करोड़ की राहत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देव भूमि हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और भूस्खलन से आई विपदा की स्थिति में पीड़ित

लोगों की मदद के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़वासियों की ओर से 11 करोड़ रुपए की सहायता राशि की घोषणा की है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि हिमाचल में भीषण प्राकृतिक विपदा आई है। ऐसे में हम सभी छत्तीसगढ़वासी हिमाचल के लोगों के साथ खड़े है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कल ही हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से फोन पर चर्चा की थी तथा हिमाचल प्रदेश के हालात की जानकारी ली थी। मुख्यमंत्री बघेल ने उनसे कहा कि पूरा देश हिमाचल प्रदेश के लोगों के साथ खड़ा है। हम सब सामूहिक एकजुटता के साथ आपदा का सामना करेंगे और सामान्य स्थिति की बहाली के लिए कार्य करेंगे।

कांग्रेस ने बनाई पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी, सैलजा अध्यक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस ने पॉलिटिकल अफेयर कमेटी गठिक की गई। इस कमेटी का अध्यक्ष कुमारी सैलजा को बनाया गया है। कमेटी में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ ही उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव भी शामिल हैं। बता दें कि कमेटी की इस जारी सूची में दीपक बैज समेत 14 नेताओं को जगह मिली है। साथ ही सप्तगिरी शंकर उल्का, चंदन यादव और विजय जांगिड़ को पदेन सदस्य बनाया गया है। इसके अलावा विशेष आमंत्रित सदस्यों में 7 लोगों को जगह दी गई है।

ज्यादातर नाम चुनाव समिति वाले

इस कमेटी में कांग्रेस चुनाव समिति के ही ज्यादातर नामों को रिपीट किया गया है। फर्क सिर्फ इतना है कि चुनाव समिति में सीएम, डिप्टी सीएम समेत 8 मंत्रियों को जगह मिली थी लेकिन इस लिस्ट से में 7 मंत्रियों को ही जगह मिली है। मंत्री रूद्र गुरू का नाम गायब है। जबकि ताम्रध्वज साहू, रविन्द्र चौबे, मोहम्मद अकबर, अनिला भेड़िया, जयसिंह अग्रवाल, मोहन मरकाम और शिव डहरिया को जगह दी गई है। पिछली लिस्ट की ही तरह महिला कांग्रेस, यूथ कांग्रेस और एनएसयूआई के अध्यक्षों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। साथ ही सेवा दल के मुख्य संयोजक को भी पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी में जोड़ा गया है।

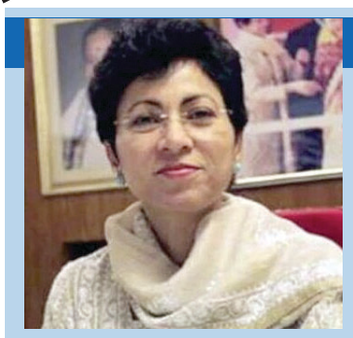

तैयार करेगी रणनीति

पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी चुनाव में कई अहम रणनीति तैयार करती है। कई महत्वपूर्ण राजनीतिक मामलों पर कांग्रेस का स्टैंड तय करने से लेकर तुरंत फैसले लेने के लिए ये कमेटी बनाई गयी है। राज्य में घोषणा पत्र में कौन सी बातें शामिल हो सकती है, इसमे अपने सुझाव कमेटी देती है। इसके अलावा किसी सीट में अगर किसी सीट में एंटी इनकंबेंसी की स्थिति है, तब इसे कैसे दूर किया जाए इसके सुझाव देती है। हर सीट के हिसाब से चुनावी रणनीति और मुद्दों के हिसाब से सामने वाली पार्टी को काउंटर किए जाने के सुझाव पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी देती है।

इन मंत्रियों को नहीं मिली जगह

चुनाव समिति की लिस्ट में शामिल रूद्र गुरू का नाम इस पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की लिस्ट में नहीं है। इसके अलावा मंत्री अमरजीत भगत और मंत्री कवासी लखमा को दोनों ही समितियों में जगह नहीं मिली है। फिलहाल कांग्रेस में जितनी भी लिस्ट आई है, उनमें जातिगत और भौगोलिक समीकरणों का ध्यान रखा गया है। रूद्र गुरू अनुसूचित जाति वर्ग से आते हैं और इस वर्ग से मंत्री शिव डहरिया शामिल हैं। इसी तरह अमरजीत भगत और कवासी लखमा अनुसूचित जनजाति वर्ग से आते हैं और मंत्री मोहन मरकाम और अनिला भेड़िया को इस समीकरण के तहत जगह दी गई है।

चारा घोटाले में लालू की जमानत रद्द कराने सुप्रीम कोर्ट पहुंची CBI, 25 अगस्त को सुनवाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। चारा घोटाला केस में RJD सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की जमानत रद्द करने के लिए CBI ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई है। झारखंड हाईकोर्ट के जमानत के आदेश पर लगाई गई इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 25 अगस्त को सुनवाई होगी। CBI ने कहा है कि जमानत आदेश का आधार गलत है। लालू यादव ने अपेक्षित समय जेल में नहीं बिताया है। CBI ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि जमानत की अर्जी मंजूर करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने कहा था कि लालू यादव पहले ही सजा का आधा हिस्सा काट चुके हैं।

भाजपा का 'ट्रायल एंड एरर' फार्मूला

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में भाजपा 'ट्रायल एंड एरर' फार्मूले पर काम कर रही है। संगठन और विधायक दल का नेता बदलने के लिए भी पार्टी ने इसी फार्मूले पर काम किया था। चुनाव से चार महीने पहले ही भाजपा ने अपने 21 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। अब वह देखेगी कि इन प्रत्याशियों को कैसा रिस्पांस मिलता है, जनता का भी और पार्टी के समर्थकों का भी। साथ ही विधानसभा क्षेत्र पर प्रत्याशी की पकड़ और उसके दावों के मूल्यांकन का भी अवसर उसे मिल जाएगा। यदि कार्यकर्ताओं को यह चेहरा पसंद नहीं आया, पहले से स्थापित नेताओं ने भितरघात की रणनीति बनाई या जनता ने रिजेक्ट कर दिया तो पार्टी के पास इन चेहरों को बदलने के लिए पर्याप्त वक्त होगा। यही नहीं प्रत्याशी घोषित होने वाला व्यक्ति इन चार महीनों में एड़ी-चोटी का जोर लगा देगा जिसका लाभ अंततः पार्टी को ही मिलेगा। वैसे भी 15 साल सत्ता में रहने के बाद बाहर गई पार्टी के पास प्रदेश में ज्यादा चेहरे नहीं रह गए हैं। विधानसभा के घोषित उम्मीदवार इन चेहरों की संख्या बढ़ाने का काम तो कर ही सकते हैं। प्रत्याशी घोषित किये गये नए चेहरे भी अब वक्तव्य जारी कर सकेंगे, आरोप लगा सकेंगे और बैठक, रैली, आदि कर सकेंगे। देखा जाए तो मौजूदा हालात में यही सही रणनीति है। इसके लिए भाजपा के रणनीतिकारों को बधाई दी जानी चाहिए। कांग्रेस भले ही पार्टी पुरानी हो पर कुछ मामलों में उसका तरीका आज भी उतना ही घिसा-पिटा है जितना 20 या 30 साल पहले था। अंतिम समय में प्रत्याशी की घोषणा करना और फिर 'बी' फार्म को लटकाए रखना कांग्रेस की फितरत रही है। इसके चलते भितरघात भी खूब होते रहे हैं। संभावित प्रत्याशी निर्दलीय उम्मीदवारों के रूप में फार्म भरते रहे हैं। बी-फार्म के बाद घमासान मचता था। निर्दलीय रह गए उम्मीदवार अधिकृत प्रत्याशी की पराजय का कारण बन जाते थे। कांग्रेस ने जहां, कभी इस बीमारी को सीरियसली नहीं लिया वहीं भाजपा ने न केवल इसे गंभीरता से लिया बल्कि उसका इलाज भी कर रही है। वैसे, इसका एक कारण और भी है। पिछले चुनाव में संघ परिवार ने चुनाव से पहले चुप्पी साध ली थी। संघ भाजपा की रीढ़ की तरह है। मांसपेशियां कितनी भी मजबूत क्यों न हों यदि रीढ़ अपना काम न करे तो मांसपेशियों को सूखने-सिकुड़ने में ज्यादा वक्त नहीं लगता। इसका नतीजा आदिवासी इलाकों में भाजपा की घोर पराजय के रूप में सामने आया था। कद्दावर नेता जहां राजधानी में बैठकर सत्ता सुख का आनंद लेते हैं वहीं पिछड़े और जंगली इलाकों में संघ की इकाइयां ही मोर्चा संभाले रहती हैं। जनता के बीच चल रहे कई आंदलनों का नेतृत्व संघ के ही हाथों में है। यही वजह है कि भाजपा ने इस बार प्रदेश में संगठन की बागडोर संघ के स्वयंसेवक साव को सौंपी है ताकि कहीं कोई संचार-बाधा न रहे, भाजपा की पीठ पर संघ दिखे।

संपादकीय

रूढ़िवादिता पर चोट

देश की सर्वोच्च अदालत ने लैंगिक आधार पर दशकों से चली आ रही रूढ़िवादिता पर अंकुश लगाने के लिए जो पुस्तिका जारी की है, वह सुखद और स्वागतयोग्य है। प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ की यह उत्साहजनक पहल देश में समग्र सामाजिक परिवेश को बदलने में भी अपना योगदान देगी। महिलाओं और यौन अपराधों के संदर्भ में अदालतों में आमतौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले कुछ वाक्यांशों को सूचीबद्ध किया गया है और उनकी जगह दूसरे सभ्य शब्द प्रस्तावित किए गए हैं। ऐसे लगभग 43 शब्दों को रेखांकित किया गया है, जिनके इस्तेमाल से अब अदालतों को बचना होगा। न्याय के मंदिर में महिलाओं को पूरा सम्मान और समता का लाभ देने के लिए अनुचित शब्दों का इस्तेमाल रोकना हमेशा से जरूरी रहा है। याचिकाओं की भाषा के साथ-साथ आदलती आदेशों में भी सही शब्दों का जब इस्तेमाल होगा, तो उससे महिलाओं की गरिमा की रक्षा होगी। इसमें कोई शक नहीं कि महिला पीड़ितों, अभियुक्तों और गवाहों को कमजोर करने के लिए अक्सर ऐसे शब्दों या सवालों का इस्तेमाल होता है, जिनसे वास्तव में अन्याय का ही मार्ग प्रशस्त होता है। महिलाओं के बारे में समझ को सम्मानजनक बनाने का प्रयास करती यह पुस्तिका वस्तुत: एक न्यायप्रिय समाज के निर्माण में सहायक होगी। जब न्याय के मंदिर में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल रुकेगा, तब बाकी समाज में भी इजहार का नया ढंग आएगा। खासतौर पर न्यायाधीशों को सजग रहना होगा, ताकि ऐसी कारगर पुस्तिका का ज्ञान कागजों में ही कैद होकर न रह जाए। वास्तव में, यह काम बहुत पहले हो जाना चाहिए था। हम जानते हैं कि न्याय के मंदिर में भी एक आम गरीब महिला के साथ भाषा और व्यवहार के स्तर पर प्रतिकूलता होती है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि पुलिस के स्तर पर भी बहुत सारे अपशब्द प्रचलित हैं। क्या अदालतें पुलिस की भाषा में भी सुधार लाने के लिए प्रयास कर सकती हैं? क्या इसी पुस्तिका को रक्षा-सुरक्षा संबंधी महकमों में भी लागू किया जा सकता है? बहरहाल, प्रधान न्यायाधीश ने अपना काम कर दिया है, अब संबंधित मंत्रालयों को भी भाषा और सोच सुधार के लिए युद्ध स्तर पर प्रयत्न करने चाहिए। तमाम कानूनों, नियम-कायदों और प्रक्रियाओं को महिलाओं के अनुकूल बनाने की ओर इस देश को अवश्य बढ़ना चाहिए। लैंगिक असमानता को दूर करना देश के तेज आर्थिक विकास के लिए भी जरूरी है। हैंडबुक ऑन कॉम्बैटिंग जेंडर नामक यह पुस्तिका देश के आम लोगों के लिए भी पठनीय और अनुकरणीय होनी चाहिए। ऐसे सुधार केवल न्यायपालिका के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए स्वीकार्य होने चाहिए। देश में मातृशक्ति के प्रति संवेदनशीलता की बड़ी जरूरत है। आमतौर पर महिलाओं के लिए इस्तेमाल होने वाले फूहड़, वेश्या, पतित महिला, भारतीय महिला, पश्चिमी महिला, पवित्र महिला जैसे शब्दों की आखिर क्यों जरूरत है? प्रधान न्यायाधीश ने पुस्तक की प्रस्तावना में साफ लिखा है कि इसका उद्देश्य महिलाओं के बारे में रूढ़िवादिता को पहचानने, समझने और उसका मुकाबला करने में न्यायाधीशों व विधि समुदाय की सहायता करना है। हालांकि, इस पुस्तिका का पालन अनिवार्य नहीं है, पर इसकी जरूरत से भला कौन इनकार कर सकता है? इस पुस्तिका की रोशनी में आगे बढ़ने में ही नारी शक्ति का सम्मान और देशहित है।

> लैंगिक असमानता को दूर करना देश के तेज आर्थिक विकास के लिए भी जरूरी है। हैंडबुक ऑन कॉम्बैटिंग जेंडर नामक यह पुस्तिका देश के आम लोगों के लिए भी पठनीय और अनुकरणीय होनी चाहिए। ऐसे सुधार केवल न्यायपालिका के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए स्वीकार्य होने चाहिए। देश में मातृशक्ति के प्रति संवेदनशीलता की बड़ी जरूरत है।

मुस्लिम ब्रदरहुड पर मुस्लिम देशों का कहर!

दस साल पहले मिस्र में बड़ा बदलाव हुआ। था। लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए मिस्र के पहले राष्ट्रपति और मुस्लिम ब्रदरहुड के नेता मोहम्मद मोरसी को सेना ने हटा दिया। उनके समर्थक काहिरा के रबा स्क्वायर पर विरोध के लिए इकठ्ठा हुए तो मिस्र के सुरक्षा बलों ने 14 अगस्त 2013 को ब्रदरहुड के कम से कम 900 सदस्यों को मार डाला। उस घटना को हुए दस साल हो गए है लेकिन तब से मुस्लिम ब्रदरहुड संगठन दर-बदर नरसंहार में जिंदा बचे कई लोगों को जेलों में ठूंस दिया गया। कई देश छोड़कर चले गए। सन् 2020 में ब्रदरहुड के तत्कालीन नेता महमूद एज्जत को गिरफ्तार किया गया। उसके बाद इस संगठन में लीडरशीप का विवाद चला। इस साल मार्च में ब्रदरहुड ने 78 साल के सलाह अब्दुल हक को कार्यवाहक प्रमुख बनाया है लेकिन संगठन अपने अस्तित्व और पहचान में मरा पड़ा है।

एक वक्त इस्लामी दुनिया में मुस्लिम ब्रदरहुड तेजी से फैलता आंदोलन था। कट्टर इस्लामवादी और तुर्की के राष्ट्रपति अर्दोआन भी मुस्लिम ब्रदरहुड के हिमायती थे।ध्यान रहे सन् 2011 में विरोध प्रदर्शनों से हटे हुस्नी मुबारक के बाद ब्रदरहुड ने ही मिस्र में इस्लामी परचम के झंडे गाढ़े थे। इस आंदोलन को अर्दोआन का समर्थन इतना जबरदस्त था कि उन्होंने सुरक्षा बलों की सैनिक क्रांति से बने राष्ट्रपति अब्दुल फतेह अल सीसी की जम कर आलोचना की। उन्हें तानाशाह तक कहा। उन्होंने मिस्र के अपदस्थ राष्ट्रपति मोहम्मद मोरसी के समर्थन में रैलियां कीं, मुस्लिम ब्रदरहुड के नेताओं का हर तरह के संसाधन और सुविधाएं मुहैया करवाईं और अपने देश में शरण दी।

सचमुच पूरे अरब क्षेत्र में, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और मिस्र ने इस इस्लामिक समूह को अपने लिए खतरा, चुनौती माना था वहीं अर्दोआन ने मिस्र में 2011 और 2012 में हुए चुनावों में मुस्लिम ब्रदरहुड की जीत के सहारे सऊदी अरब की जगह स्वयं को सुन्नी इस्लामिक देशों का नेता बनने का सपना संजोया। लेकिन यह रणनीति मिस्र में सीसी के सत्ता पर काबिज होने और इसके दो साल बाद सीरिया में असद के समर्थन में रूस द्वारा किए गए हस्तक्षेप के बाद धरी रह गई।

अब हालात यह है कि मौजूदा वक्त को 'नए दौर' की संज्ञा देते हुए अर्दोआन अब सऊदी अरब, मिस्र और यूएई से हाथ मिलाए हुए है। मुस्लिम ब्रदरहुड की गतिविधियों से दूरी बनाते लगते है। तुर्की ने ब्रदरहुड के सदस्यों या उससे जुड़े व्यक्तियों को वहां रहने की अनुमति के नवीनीकरण से भी इंकार किया है। ब्रदरहुड के सदस्योंको वहां से चले जाने के लिए कहा। ऐसी खबरें भी है कि उसके कुछ नेताओं को गिरफ्तार किया है। और मिस्र के राष्ट्रपति द्वारा जिन अन्य लोगों को मिस्र को सौंपे जाने की मांग की जा रही है, उन्हें किसी तीसरे देश में भेजने पर विचार है। मुस्लिम ब्रदरहुड का पुराना इतिहास है। संगठन 1928 में ब्रिटिश साम्राज्यवाद से मुकाबला करने और शरिया के जरिये समाज के इस्लामीकरण के मकसद से बना था। यह अरब क्षेत्र का सबसे प्रभावी इस्लामिक संगठन बना। उसे दबाने के कई प्रयासों के बाद भी वह अरब क्षेत्र में प्रभावी बना रहा। उसने कई शांतिपूर्ण राजनैतिक आंदोलनों का नेतृत्व किया। साथ ही उसके कुछ नेता, पश्चिमी संस्कृति और जीवन जीने के आधुनिक तरीके के हिंसक विरोधी के रूप में भी उभरे। ब्रदरहुड ने मिस्र में अपना राष्ट्रपति बनवाने में सफलता पाई तो उसी समय ट्यूनीशिया में वह एक एलायंस से सत्ता में आया। पर उसके अच्छे दिन लम्बे नहीं चले। मोरसी को एक विद्रोह के बाद पद छोड़ना पड़ा। और राष्ट्रपति सीसी ने बहुत क्रूरता से ब्रदरहुड के 900 समर्थकों को मरवा दिया। ह्यूमन राइट्स वाच के अनुसार यह हत्याकांड तियानमेन चौक हत्याकांड की तरह का था। ब्रदरहुड के हजारों सदस्यों को जेल में डाला गया। कई लोग तुर्की, कतर और इंग्लैण्ड भाग गए। और हैरानी की बात कि इतने बड़े पैमाने पर दमन की रियलिटी के बावजूद दुनिया में किसी ने, अमेरिका व पश्तिमी देशों ने मिस्र में मानवाधिकारों के रक्षा के लिए कुछ नहीं कहा या किया है।

> **पश्चिमी विक्षोभ एक निम्न दबाव प्रणाली है, जो भूमध्य सागर से पैदा होती है, मध्य एशिया और उत्तरी भारत में पूर्व की ओर बढ़ती है और अरब सागर से उत्पन्न होने वाले दक्षिण-पश्चिम भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून के चलते जम्मू-कश्मीर व पहाड़ों के कुछ हिस्सों में थोड़े समय के दौरान ही अत्यधिक वर्षा कराती है।**

नाज़ुक पहाड़ों पर रहना सीखना होगा

कालाचांद सांई, निदेशक, डब्ल्यूआईएचजी, देहरादून

हमारे पहाड़ों में बहुत नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र, जीवमंडल, जलमंडल, थलमंडल और वायुमंडल का सह-अस्तित्व है। अब यह बात किसी से छिपी नहीं है कि जलवायु परिवर्तन ग्लेशियरों, नदी प्रणाली, भू-आकृति विज्ञान, भूमि क्षरण, जैव-विविधता आदि पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। पहाड़ी नगरों में सामंजस्य पूर्ण सह-अस्तित्व या पारिस्थितिकी तंत्र की गड़बड़ी खतरे को बढ़ा देती है। इंसानी गतिविधियों या पर्यावरण में गिरावट के चलते बाहरी ताकतें आपदाओं और अचानक बाढ़ का मुख्य कारण बन जाती हैं।

पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन के कई कारण हो सकते हैं। आम तौर पर पहाड़ी शहर ढलान, अस्थिरता या भू-स्खलन की संवेदनशीलता से जुड़े होते हैं, जो भौगोलिक कारकों द्वारा निर्देशित होते हैं। ढलान, ढाल, वक्रता, दिशा, ऊंचाई, लिथोलॉजी, संरचनाएं, चट्टान की ताकत, वन आवरण, निर्मित क्षेत्र, असंगठित और अर्द्ध-समेकित तलछट आदि मापदंडों के आधार पर हम एक भेद्यता मानचित्र तैयार कर सकते हैं। सर्वाधिक संवेदनशील, मध्यम संवेदनशील और सबसे कम संवेदनशील या जोखिम वाले क्षेत्रों को जान सकते हैं। इस क्षेत्र में टेक्टोनिक हलचल, नदी का प्रवाह और वृक्षों की कटाई भी पहाड़ी क्षेत्र को भूस्खलन के प्रति संवेदनशील बनाती है। इधर वनों की कटाई से भूस्खलन की आशंका बढ़ गई है। घरों के नीचे से जमीन खिसक रही है। भूमिगत जल के रिसने से पहाड़ी ढलानें कमजोर पड़ रही हैं, जिस पर गुरुत्वाकर्षण के चलते भूभाग नीचे की ओर खिसक जाता है। हालांकि, भूस्खलन मुख्य रूप से जलवायु कारक वर्षा के कारण होता है।

ध्यान देने की बात है कि वर्तमान जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के चलते पिछले एक दशक में पहाड़ों में कम समय में ज्यादा वर्षा की आवृत्ति बढ़ गई है। कोई आश्चर्य नहीं कि प्राकृतिक कारणों की वजह से ही भूस्खलन की स्थिति बनती है। कोई एक कारण जिम्मेदार नहीं है। जलाशय की कमी, अनुचित जल निकासी प्रणाली, ढलान की कटाई, अवैज्ञानिक खनन, अवैध निर्माण, अत्यधिक चराई इत्यादि से भी भूस्खलन का संकट बढ़ता है। मोटे तौर पर इसके तीन कारण गिनाए जा सकते हैं- प्राकृतिक कारण, जलवायु-प्रेरित कारण और मानवजनित कारण।

पश्चिमी विक्षोभ एक निम्न दबाव प्रणाली है, जो भूमध्य सागर से पैदा होती है, मध्य एशिया और उत्तरी भारत में पूर्व की ओर बढ़ती है और अरब सागर से उत्पन्न होने वाले दक्षिण-पश्चिम भारतीय ग्रीष्मकालीन मानसून के चलते जम्मू-कश्मीर व पहाड़ों के कुछ हिस्सों में थोड़े समय के दौरान ही अत्यधिक वर्षा कराती है। यह अचानक भारी वर्षा हिमाचल, उत्तराखंड और आसपास के क्षेत्रों में होने वाले भूस्खलन व अचानक बाढ़ के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है।

ध्यान देने की बात है कि हिमालय क्षेत्र में यूरेशियन प्लेट के नीचे भारतीय प्लेट के अभिसरण ने भूगर्भीय चट्टानों को विकृत कर दिया है और जहां से ऊर्जा का निर्माण होता है, जो भूकंप के रूप में प्रकट होती है। ऐसे भूकंप से खासकर ढलान वाले क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर जमीन की सतह कमजोर पड़ जाती है। हमने गौर किया है, हर छोटे-बड़े भूकंप के चलते तुरंत भूस्खलन होता है या दरारें उभर आती हैं, उपसतह कमजोर हो जाती है और क्षेत्र में लिथो-संरचना ढीली हो जाती है।

समस्या बढ़ी है, तो जाहिर है कि सबसे बड़ा प्रश्न आज यह हो गया है कि समाधान क्या है? पहाड़ी नगर निर्माण नीतियों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए। पहाड़ी बस्तियों में उचित जल-निकासी व्यवस्था के साथ उपयुक्त नगर नियोजन को अपनाना होगा। अब हमें सुरक्षा और स्थिरता के साथ जलवायु-अनुकूलन और आपदा प्रतिरोधी समाज का निर्माण करना होगा। अब पहाड़ों पर लोगों को आपदाओं के साथ जीने के लिए शिक्षित-प्रशिक्षित करना होगा। सभी छोटे और बड़े शहरों की 'हाई रिजॉल्यूशन मैपिंग' और नई तकनीक का उपयोग करके भार-वहन क्षमता का सही आकलन करना होगा। मतलब अगर किसी पहाड़ या ढलान पर भार-वहन क्षमता कम है, तो वहां भवन निर्माण से बचना होगा। इसे भवन निर्माण संहिता का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा।

अब सिर्फ हिमालय ही नहीं, पूरे भारत में बढ़ती आबादी एक चिंताजनक मुद्दा है, इसलिए सबसे बड़ी चिंता जीवनशैली में बदलाव की है। ऐसा देखा जाता है कि जो शहर व्यापारिक केंद्र बन जाता है, वहां लोगों के बसने से उसका तेज विकास होता है। हमें अब संवेदनशील क्षेत्रों में व्यापारिक केंद्र बनाने से बचना होगा। ऐसी जगहों पर हल्के निर्माण को प्राथमिकता देनी होगी और इसके लिए विज्ञान-आधारित अच्छे वास्तु का सहारा लेना पड़ेगा। ऐसे स्थानों पर नगर निकायों को सख्ती बरतनी पड़ेगी। अभी कई व्यावहारिक कमियां हैं। अभी हम पहाड़ काटते हैं, पर उसके समाधान की ओर ध्यान नहीं देते हैं, जबकि यह अव्यावहारिक और अवैज्ञानिक है।

बचाव का कोई छोटा रास्ता नहीं है। हमें खुद को अधिक शिक्षित और जागरूक करना होगा। एक बार जब हम पारिस्थितिकी तंत्र से छेड़छाड़ करते हैं, तो उसे वापस उसी स्थिति में आने में बहुत लंबा समय लग सकता है, और इसमें लगने वाला समय ही अशांत क्षेत्र में भूमि खिसकने का खतरा पैदा करता है। यदि यह छेड़छाड़ व विकास बनाम विनाश का असंतुलन चलता रहा, तो इसकी भविष्य में बड़ी कीमत चुकाने के लिए तैयार रहना होगा। कहा जा सकता है कि ऐसे में हिमालय का भविष्य बेहद असुरक्षित है। इसे प्रभावित करने वाले बहुत सारे कारक एक साथ सक्रिय हैं।

अब सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी बहुत जरूरी है। वर्षा गेज, पीजोमीटर, इनक्लिनोमीटर, एक्सटेन्सोमीटर, इनएसएआर की मदद लेकर चेतावनी तंत्र को मजबूत किया जा सकता है। निगरानी का सबसे अच्छा संभव तरीका है कि हिमालयी राज्यों की केंद्रीकृत परिषद का निर्माण करना होगा। इसमें अलग-अलग राज्यों के आपदा प्रबंधन प्राधिकरण शामिल किए जाएं। इसमें मुख्य फोकस जमीन की सतह और उपसतह के तनाव के आकलन पर होना चाहिए। भारतीय हिमालयी क्षेत्र में आपदाओं को कम करने की दिशा में रणनीतियों के प्रभावी और कुशल निर्माण के लिए सभी प्रभावी सूचनाओं को सभी हिमालयी राज्यों द्वारा प्रसारित और साझा करने की जरूरत है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

भारत का झंडा फहराते विदा हुए स्वच्छता के सेनापति

के सी त्यागी, पूर्व सांसद

यह ऐसा देश है, जहां साफ-सफाई को खराब या कमतर काम मानने वाले बहुत मिल जाते हैं। ऐसे देश में बिंदेश्वर पाठक जैसी स्वच्छता को समर्पित हस्ती का होना बहुत मायने रखता था। उन्होंने जीवन-पर्यंत अपने स्वच्छता अभियान सुलभ शौचालय को आगे बढ़ाया, बल्कि राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए कीर्तिमान भी स्थापित किए। उन्हें जब भी याद किया जाएगा, गांधी की महान परंपरा में ही देखा जाएगा। गांधी जी ने साफ-सफाई के काम को कभी कमतर नहीं माना। अपने जीवन के अंतिम दिनों में वह वाल्मीकि बस्ती में ही निवास करना पसंद करते थे और अपने द्वारा चलाए सफाई अभियान से कतई संतुष्ट नहीं थे। उन्होंने एक सभा में घोषणा कर सभी को चकित कर दिया था कि 'अगर मुझे इस जन्म में मुक्ति नहीं मिलती है, तो मैं अगले जन्म में सफाईकर्मी के रूप में पैदा होना पसंद करूंगा।

बिंदेश्वर पाठक (1943-2023) ने हाथ से मैला ढोने की प्रथा को समाप्त करने का बीड़ा उठाया था, जिसका प्रमाण उनके द्वारा निर्मित 10,000 से अधिक सुलभ शौचालय हैं। वैशाली के संपन्न ब्राह्मण परिवार में जन्मे पाठक ने सफाई के काम में खुद को लगाकर ऐसे विरल कार्य को अंजाम देने का दुस्साहस किया, जो उन्हें अद्वितीय एवं महान व्यक्तियों की श्रेणी में खड़ा करता है। उन्हें पद्म विभूषण समेत अनेक पुरस्कारों से नवाजा गया, पर वह पूरी सरलता के साथ हमेशा जमीनी स्तर पर अपने काम में लगे रहे। आज यह कहने में हर्ज नहीं कि बिंदेश्वर पाठक अपने देश के सबसे प्रतिष्ठित भारतीय सामाजिक उद्यमी थे। उन्होंने स्वच्छता का अभियान चलाकर भारत के सामाजिक उत्थान को भी अतुलनीय बल दिया। उनकी जीवन यात्रा को अस्वच्छ प्रथाओं को खत्म करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार और हाशिये पर रहने वाले समुदायों के अधिकारों की वकालत करने के लिए हमेशा रेखांकित किया जाएगा।

इस देश में जिन लोगों ने सुलभ शौचालय से पहले का दौर देखा है, वह सुलभ शौचालय के व्यापक महत्व को अच्छी तरह से समझ सकते हैं। जब सुलभ शौचालय न थे, तो देश में तमाम सार्वजनिक जगहों पर गंदगी का क्या आलम था, आज कोई याद नहीं करना चाहेगा। उन्होंने देश को गंदगी से बचाने के लिए जो काम किया, वह काम सरकारें आज भी ढंग से नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने करोड़ों लोगों का जीवन सुधार दिया। 1970 में उन्होंने सुलभ इंटरनेशनल की स्थापना की। इस नवाचार ने न केवल खुले में शौच की समस्या का सम्मानजनक और स्वच्छ समाधान प्रदान किया, बल्कि जलजनित बीमारियों को रोकने और समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने समाज को स्वस्थ प्रथाओं को अपनाने के लिए जैसे प्रोत्साहित किया है, उनकी जोड़ का कोई दूसरा इस देश में न था और न है।

अपनी जीवन-यात्रा के दौरान बिंदेश्वर पाठक को चुनौतियों और विरोध का सामना करना पड़ा, पर उनके लचीलेपन और अटूट समर्पण ने उन्हें बाधाओं को दूर करने व सार्थक बदलाव लाने में सक्षम बनाया। उनकी जीवन की बेमिसाल कहानी उन तमाम व्यक्तियों और संगठनों के लिए प्रेरणा का काम करती है, जो सभी के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। उनकी दूरदर्शिता, नवप्रवर्तन और न्याय के प्रति अथक प्रयास ने भारत के सामाजिक परिदृश्य पर अमिट छाप छोड़ी है। 'टॉयलेट मैन' नाम से प्रसिद्ध बिंदेश्वर पाठक भले ही अब हमारे बीच में नहीं हैं, पर वह इस देश के लिए हमेशा प्रेरणा व गर्व के उज्ज्वल स्रोत रहेंगे।

उनसे मैं अनेक बार मिला। हम लोग उनकी कामयाबी देखते थे, पर उन्हें हमेशा चुनौतियां दिखती थीं। पिछली और अंतिम मुलाकात में उन्होंने मुझे खूब ताना-उलाहना दिया था। कहा था कि साल 2014 में ही हाथ से मैला ढोने पर रोक लग गई, पर अभी भी अनेक जिलों में यह अमानवीय प्रथा क्यों जारी है? नए-नए कानून बन रहे हैं, क्या इस पुराने अच्छे कानून को लागू नहीं करना चाहिए? तब हम नेता निरुत्तर हो गए थे। उनकी बात और बेचैनी बिल्कुल सही थी। यादगार संयोग ही है कि स्वच्छता का यह भारतीय सेनापति 77वें स्वतंत्रता दिवस पर देश का झंडा फहराते हुए दुनिया से विदा हुआ है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अफगानिस्तान को मान्यता नहीं, मदद की दरकार

पुष्परंजन

पंद्रह अगस्त, 2023 को अफगानिस्तान में सत्ता परिवर्तन के दो साल हो चुके हैं। तालिबान शासन ने तीसरे साल में प्रवेश कर लिया है, उसे अब भी मान्यता का इंतजार है। जब मान्यता नहीं है, तो दिल्ली स्थित अफगान दूतावास को क्या अवैध माना जाए? विदेश मंत्रालय में अफ़ग़ान डेस्क देखने वाले कूटनीतिक इस यक्ष प्रश्न पर मौन साध जाते हैं। फरीद मामुंदजय ने 14 मार्च, 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को अपना प्रत्यय पत्र आभासी रूप में प्रस्तुत किया था। उसके पांच माह बाद 15 अगस्त, 2021 को काबुल में संघीय सरकार का पतन और इस्लामिक अमीरात के फतह की घोषणा हुई थी। फरीद मामुंदजय जैसे राजदूत के लिए असमंजस की स्थिति है। सरकार को मान्यता नहीं, और राजदूत की जिम्मेदारी निभानी है। अस्वीकृत सरकार के राजदूत कब तक बने रहेंगे? दुनियाभर में तैनात अफगान दूत इसी दुविधा से गुजर रहे हैं।

15 अगस्त, 2021 को काबुल के पतन से नौ दिन पहले निमरोज पहला प्रांत था, जो इस्लामिक अमीरात की सेनाओं के कब्जे में आया। इसके प्रकारांतर नौ दिनों के भीतर देश के 32 अन्य प्रांत पूरी तरह से इस्लामिक अमीरात के नियंत्रण में आ चुके थे। इस्लामिक अमीरात के काबुल पहुंचते ही अराजकता फैल गई। राजधानी काबुल में तालिबान की दस्तक के साथ पूर्व राष्ट्रपति अशरफ गनी ने 15 अगस्त की दोपहर झोला उठाया, और अफगानिस्तान से भाग निकले। इस्लामिक अमीरात ने दूसरी बार अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा कर लिया था। शायद कुछ ही लोगों को गणतंत्र के पतन और अमीरात की स्थापना का अनुमान था। मगर वो तबाही का मंज़र था। पूरा मुल्क भयग्रस्त। दुनिया दम साधे इंसानी विस्थापन की बदतरीन तस्वीर देखती रही।

अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने तब कहा था कि हम अफगानिस्तान की समस्याओं को शांतिपूर्ण, भाईचारे के जरिये सुलझाने के लिए तालिबान के नेताओं से बात करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन ऐसा कुछ हुआ क्या? स्वयं हामिद करजई के लोगों को सत्ता में शिरकत का अवसर नहीं मिल रहा। पूर्व राष्ट्रपति अशरफगनी के जो लोग बचे-खुचे हैं, अपने देश में अज्ञातवास झेल रहे हैं। मगर, दिलचस्प यह है कि अशरफगनी की सरकार को अब भी संयुक्त राष्ट्र में मान्यता मिली हुई है। राजधानी काबुल में 13 देशों ने अपना दूतावास खोल रखा है, उनमें भारत भी है। अफगानिस्तान के 49 दूतावास व 20 कौंसुलेट दुनियाभर में स्थापित हैं, लेकिन किसी भी राजदूत की नियुक्ति इस्लामिक अमीरात के माध्यम से स्वीकृत नहीं हो पाई है।

पुराने सत्ताधारियों का दु:ख उस मंजर को याद कर बढ़ जाता है, जब इस्लामिक अमीरात के सदस्यों ने 15 अगस्त, 2021 की शाम, आर्ग (राष्ट्रपति निवास) पहुंचकर पिछली सरकार का झंडा उतार दिया था। अल जजीरा टीवी के प्रसारण में उस समय इस्लामिक अमीरात के वरिष्ठ नेताओं में से एक मुल्ला अब्दुल गनी बारादर ने लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का आश्वासन दिया था। उसके शब्द अंतर्राष्ट्रीय बिरादरी के समक्ष फरेब ही साबित हुए। तब मुल्ला अब्दुल गनी बारादर ने कहा था, 'हम एक ऐसे बिंदु पर पहुंच गए थे, जहां ऐसी कोई उम्मीद नहीं थी कि अफगानिस्तान इस तरह हमारे हाथों में आ जाएगा।

अंतिम अमेरिकी सैनिक मेजर जनरल क्रिस डोनह्यू के अफगानिस्तान छोड़ देने के बाद दुनिया ने मान लिया कि 31 अगस्त, 2021 को अमेरिका ने अफगानिस्तान में अपनी दो दशकों की सैन्य उपस्थिति समाप्त कर दी। लेकिन अमेरिकी चौधराहट से अफगानिस्तान को मुक्ति नहीं मिली है। करीब 3 लाख 50 हज़ार की संख्या बल वाली जिस अफगान सेना को तैयार करने में बरसों-बरस लगे, वो एक झटके में बिखर गई। 6 सितंबर, 2021 को पंजशीर पर फतह के अगले दिन इस्लामिक अमीरात ने अपनी अंतरिम कैबिनेट की घोषणा की।

एक मुल्क जहां के लोग आशियाना और आबोदाना की समस्या से जूझ रहे हों, उन्हें भूखों मरने के लिए छोड़ा नहीं जा सकता। भारत, संयुक्त राष्ट्र खाद्य कार्यक्रम (यूएनडब्ल्यूएफपी) के तहत अब तक 47,500 मीट्रिक टन गेहूं अफगानिस्तान भेज चुका है। इसके अतिरिक्त दवाएं और दूसरी सहायता सामग्रियां इस देश को भेजी गई हैं। हेरात स्थित 'यूएनडब्ल्यूएफपी' के अधिकारी बताते हैं कि अफगानिस्तान के एक करोड़ 60 लाख जरूरतमंद लोगों के लिए ये सामग्रियां चाबहार पोर्ट के रास्ते भारत ने अफगानिस्तान भिजवाने का इंतजाम किया है।

चीन, दाने-दाने को तरसते इस देश को सहायता के नाम पर स्कॉलरशिप दे रहा है। अफगान मार्ग का इस्तेमाल चीन सेंट्रल एशिया में व्यापार के विस्तार के लिए कर रहा है। इस्लामिक अमीरात को चीन ने सस्ती दर पर विद्युत और सीमेंट उत्पादन के लिए राजी किया है। 'फान-चाइना अफगान माइनिंग प्रोसेसिंग एंड ट्रेडिंग कंपनी', अफगानिस्तान में खनन के वास्ते 35 करोड़ डॉलर के निवेश का अहद कर चुकी है। चीन-पाकिस्तान आपदा में अवसर तलाशने की हर कोशिशें कर रहे हैं, लेकिन अफगान शासन को मान्यता या यहां की जनता को अन्न-वस्त्र देना इनकी नीयत और नीति से गायब दिखता है।

अमेरिका ने अफगानिस्तान को दर्द दिया है, तो दवा वही पर्दे के पीछे से मुहैया करा रहा है। प्रतिबंध के बावजूद, वाशिंगटन ने बातचीत का दरवाज़ा बंद नहीं किया है। अमेरिका और तालिबान के बीच नियमित बातचीत के दो रास्ते हैं, एक राजनीतिक और दूसरा, खुफिया आधारित। तालिबान खुफ़िया विंग 'जीडीआई' के प्रमुख अब्दुल हक वासिक दोहा का अक्सर दौरा करते हैं। दोहा अब भी तालिबान का राजनीतिक मुख्यालय है। अमेरिका के विशेष दूत टॉम वेस्ट ने जुलाई में कतर में विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के नेतृत्व में तालिबान टीम के साथ बातचीत की थी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

सेक्टर अधिकारियों को अपने मतदान केंद्रों की हो पर्याप्त जानकारी: कलेक्टर

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार ने जिला पंचायत सभाकक्ष में आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के संबंध में सेक्टर अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने सेक्टर अधिकारियों को उनके चिन्हांकित मतदान केंद्रों का स्थल निरीक्षण करके भौतिक सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र के मतदान केंद्रों का अवलोकन करके उन केंद्रों पर मोबाइल नेटवर्किंग, मतदान केंद्रों की कंट्रोल टेबल एवं ईएमएफएएमएफ वल्नेरेबल मैपिंग मतदान केंद्रों की स्थिति तथा मतदान केंद्रों में अभिहित अधिकारी की उपस्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सभी सेक्टर अधिकारियों को मतदान केंद्रो पर पारदर्शिता के साथ चुनाव प्रक्रिया कराने के लिए इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों को मतदान केंद्रों के पहुंच मार्ग (रास्ता) का भी निरीक्षण करने के लिए कहा है ताकि मतदान दल आसानी से उन केंद्रों तक पहुंच सकें। कलेक्टर ने संवेदनशील, अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की भी जानकारी के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।

अस्थिबाधित दिव्यांग नारायण को मिली मोटराइज्ड ट्रायसायकल, आजीविका गतिविधियों में बनी सहारा

महासमुंद। सरायपाली विकासखंड के वीरेंद्र नगर निवासी अस्थिबाधित दिव्यांग नारायण निषाद मोटराईज्ड ट्रायसायकल मिलने से बहुत खुश है। वे जन्म से ही अस्थिबाधित दिव्यांग है। वे इस मुश्किल भरी राह में अपने आजीविका के लिए सड़क किनारे बच्चों के खिलौनें, टेडीबियर आदि बेचने का काम करते है। किंतु दिव्यांगता के कारण उन्हें काम में आने-जाने में बहुत परेशानी होती थी। उन्होंने समाज कल्याण विभाग में मोटराइज्ड ट्रायसायकल के लिए आवेदन किया। निषाद ने बताया कि दिव्यांगजन प्रमाणीकरण, नवीनीकरण एवं सेवा सुविधा शिविर में उन्हें मोटराइज्ड ट्रायसायकल प्रदान किया गया। इससे उनकी जिन्दगी में बहुत ही बदलाव आ गया है। अब वह अपने रोजमर्रा के कार्य के लिए आसानी से आवाजाही कर रहे है तथा अपने परिवार का भरण-पोषण में भी उन्हें कोई दिक्क़त नहीं हो रही। दूसरों पर निर्भर भी नहीं रहना पड़ता। इसके लिए उन्होंने जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग को धन्यवाद कहा। दिव्यांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राज्य और केन्द्र की विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित है। एक समावेशी और सक्षम वातावरण की कल्पना करके दिव्यांगजनों को अधिक हक और अधिकार प्रदान करने के लिए सरकार के द्वारा समग्र विकास के लिए दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर जोर दिया जा रहा है।

गरियाबंद जिले की महिला समूहों को आकर्षक राखी निर्माण से मिली एक नई पहचान

गोबर, बांस और मोती से बने आकर्षक राखियों से सजेगी भाईयों की कलाईयां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आगामी 30 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर गरियाबंद जिले के स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा गोबर, बांस और मोती से निर्मित आकर्षक इको फ्रेंडली राखियां भाइयों की कलाईयों पर सजेगी। इसके लिए समूह की महिलाओं द्वारा जोर-शोर से राखियों के निर्माण लगी हुई है। राखियां निर्माण में जिला प्रशासन द्वारा विशेष रूप से मदद की जा रही है। ताकि उन्हें त्यौहार के सीजन में बाजार की उपलब्धता करा सके।

गरियाबंद जिला प्रशासन की अधिकारियों ने चर्चा के दौरान बताया कि पैरी बंधन के तहत व राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत जिले की 13 महिला समूहों के द्वारा बांस की कलात्मक राखियां, गोबर, मोती, रत्नजड़ित राखियों का निर्माण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखण्डों में बड़े एवं बच्चों की कलात्मक पैरी राखियां का विविध कलाकृतियों के माध्यम से व्यापक स्तर पर समूह द्वारा सुंदर, आकर्षक व पर्यावरण सुरक्षित राखियों का निर्माण किया जा रहा है। समूह की महिलाओं द्वारा अब तक 7000 राखी का निर्माण किया जा चुका है। 2,235 राखियाँ विक्रय कर 26 हजार 285 रूपये आय प्राप्त कर चुका है।

समूह की दीदियां द्वारा राखी तैयार करने में अनाज, धान, चावल, दालों के अलावा कुमकुम, मौली धागा का उपयोग किया जा रहा है। समूह की दीदियों द्वारा बड़े पैमाने पर रत्नजड़ित मोती, गोबर, बांस से भी राखी बनाई जा रही है। इन राखियों की गरियाबंद सहित पद्रेश के अन्य जिलों में भी काफी मांग है। दीदियों ने इस साल लगभग 40 हजार राखियां तैयार करने का लक्ष्य रखा है। रक्षाबंधन के बाद भाई चाहें तो बीजों से बनी राखियों को गमले में लगा सकते है। इन बीजों से निकलने वाले पौधे लंबे समय तक भाई बहन के स्नेह के प्रतीक के रूप में दिखते रहेंगे। महिला स्व-सहायता समूहों को राखी तैयार करने से लेकर बाजार उपलब्ध कराने तक में जिला प्रशासन मदद कर रहा है। इन इको फ्रेंडली राखियों की कीमत 30 रूपये से लेकर 250 रूपये तक है।

बंधन नेह का, बहनों के स्नेह का, पुनीत बंधन, बढ़ेगा गौधन, आओ बच्चों बांधे, पैरी का पवित्र रक्षा सूत्र, बच्चों का हाथ, पैरी बन्धन के साथ, मोतियों से बंधा, पैरी का अटूट बंधन, रत्नों से जड़ा, पैरी का अटूट बंधन जैसे स्लोगन के साथ इस पैरी बंधन अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। इन समस्त राखियों के विक्रय हेतु सी-मार्ट, जिला गरियाबंद को विक्रय केन्द्र बनाया गया है।

वन मितान जागृति कार्यक्रमः वन संरक्षण के प्रति बढ़ी जागरूकता

अब तक 500 से अधिक कैम्पों के माध्यम से 34 हजार से अधिक विद्यार्थी लाभान्वित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में वन विभाग अंतर्गत कैम्पा प्राधिकरण द्वारा स्कूली बच्चों में वन संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए प्रदेशव्यापी प्रशिक्षण सह जागरूकता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत वन मितान जागृति कार्यक्रम के माध्यम से राज्य में कुल 509 कैम्पों का आयोजन किया जा चुका है। इन कैम्पों के माध्यम से 2 हजार 357 शिक्षक, 15 हजार 824 छात्र और 16 हजार 295 छात्राएं सहित कुल 34 हजार 476 लोगों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से वनों के प्रति जागरूक किया जा चुका है।

गौरतलब है कि वन प्रबंधन में भागीदारी के प्रथम चरण के रूप में वन, वन्यप्राणी एवं पर्यावरण के महत्व के संबंध में प्रशिक्षण सह जागरूकता की अहम भूमिका होती है। इस तारतम्य में वन क्षेत्रों के निकटवर्ती विद्यालयों के विद्यार्थियों को वनों के प्रबंधन में सहभागी बनाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के मार्गदर्शन में कैम्पा प्राधिकरण द्वारा जागरूकता शिविरों का आयोजन निरंतर जारी है। इसके माध्यम से कक्षा 6वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं को वन संरक्षण के लिए जागरूक किया जा रहा है। जिससे वे पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी व्यवहार अपनाएं और उनमें प्राकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता स्वत: विकसित हो सके। इसके तहत राज्य के 43 वनमंडलों में कुल 624 कैम्प का आयोजन किया जाना है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि कार्यक्रम के तहत जैव-विविधता एवं वानिकी कार्यों के महत्व और प्रकृति भ्रमण कर पेड़-पौधों और पारिस्थितिकीय तंत्र का परिचय, वनों की भूमिका, मृदा, जड़ तंत्र और वृक्ष के घटक एवं वनौषधियों की जानकारी दी जा रही है। वन्यप्राणियों की पहचान एवं उनकी आदतें, भोजन, शारीरिक संरचना संबंधी जानकारी, कीट-पतंगों की पहचान, सरीसृप जीवों की पहचान, जंगली पशुओं के चिन्ह संबंधी जानकारी तथा वन्यप्राणियों का पारिस्थितिकीय तंत्र में महत्व आदि से अवगत कराया जा रहा है। साथ ही विभिन्न जीवों का मानव जीवन में महत्व इत्यादि की जानकारी भी दी जा रही है।

लाईवलीहुड कॉलेज में मतदाता जागरूकता हेतु नवविवाहिता वधुओं का हुआ सम्मान समारोह

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ कुमार के निर्देशन में जिला नोडल स्वीप व मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विश्वदीप की उपस्थिति में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत लाईवलीहुड कॉलेज में मतदाता जागरूकता हेतु नवविवाहिता वधुओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

जिसमें नव विवाहिताओं ने हाथों में मेहंदी लगाकर तथा रंगोली बनाकर स्वीप अभियान, वोट डालने आदि का जागरूकता संदेश दिया। इस अवसर पर सीईओ ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को मतदान अवश्य करने की शपथ दिलाई। उन्होंने नए मतदाताओं को मतदाता परिचय पत्र बनाने के लिए प्रेरित किया तथा उन्होंने मतदान के अधिकार की महत्ता बताई, साथ ही नवविवाहिताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। उन्होंने कहा कि मतदान के अधिकार का उद्देश्य लिंग, जातिभेद से ऊपर उठकर समानता लाना भी है।

सीईओ ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपने मताधिकार का उपयोग किया जाना बहुत जरूरी होता है। निर्वाचन में एक-एक मत का महत्व होता है। हमें अपने मत का उपयोग अवश्य करना चाहिए। जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने सभी मतदाताओं को शपथ दिलाते हुए कहा कि मतदाता की सक्रिय भागीदारी से देश का लोकतंत्र मजबूत एवं स्थायी बनता है। आप सभी अच्छे मतदाता का परिचय देते हुए लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाएं। साथ ही किसी भय, प्रलोभन, लालच या बहकावे में आकर मतदान नहीं करें। श्री विश्वदीप ने मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, हटवाने, स्थानांतरित करवाने हेतु उपयोग में आने वाले आवेदन फ र्म-6, फ र्म-7, फार्म-8 की उपयोगिता बताई।

पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के उपायों के संबंध में राज्य स्तरीय समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुलिस मुख्यालय में आज राज्य के विभिन्न जिलों में सड़क दुर्घटनाओं विशेषकर पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के उपायों के संबंध में प्रदीप गुप्ता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में प्रदेश के समस्त यातायात प्रभारीगण/पर्यवेक्षण अधिकारियों की ऑनलाईन/वर्चुअल समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में मुख्य सचिव महोदय द्वारा शासन के विभिन्न विभागो की समीक्षा बैठक में दिये गये दिशा-निर्देशों के अनुक्रम में पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण हेतु कर्तव्यस्थ हाईवे पेट्रोल एवं अन्य पेट्रोलिंग वाहनों को उनके क्षेत्राधिकार की मुख्य सड़को विशेषकर राष्ट्रीय राजमार्ग में जानवर दिखने की स्थिति में टोल फ्री नंबर 1033 तथा अन्य मार्गो में 1100 तथा स्थानीय प्रशासन को संसूचित कर समन्वय से पशुविहीन सड़क अभियान में

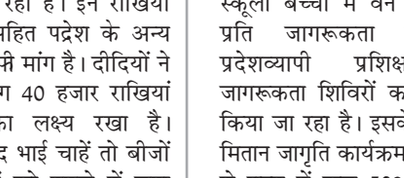

सहभागिता के लिये निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त सड़क मार्ग में जानवरों से टकराकर हुई दुर्घटना एवं इससे हुई मृत्यु एवं घायलो के प्रकरणो की समीक्षा कर भविष्य में ऐसी सड़क दुर्घटनाओ पर नियंत्रण हेतु स्थानीय प्रशासन के सहयोग से प्रभावी पहल, ऐसे दुर्घटनाजन्य सड़क खण्डों के समीप स्थित सीसीटीवी कैमरे की सहायता से अनुसंधान एवं रोकथाम हेतु कार्ययोजना, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा राज्य के 51 सड़क खण्डों में विचरण करने वाले पशुओं को हटाने के लिये तैनात सहायकों के कर्तव्य निर्वहन में आवश्यक वैधानिक सहयोग हेतु भी निर्देशित किया गया। साथ ही एल्कोमीटर, स्पीडराडार गन, बॉडीवार्न कैमरा सहित अन्य उपलब्ध सड़क सुरक्षा संसाधनो के अधिकतम उपयोग एवं प्रभावी प्रवर्तन से सड़क दुर्घटनाओं में नियंत्रण हेतु निर्देशित किया गया।

समीक्षा बैठक में उपस्थित एआईजी ट्रेफ्फिक संजय शर्मा ने विभिन्न जिलों में गत 7 माह में घटित सड़क दुर्घटनाओं के संबंध तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत करते हुए सड़क दुर्घटना मृत्युदर में कमी हेतु सीट-बेल्ट एवं हेलमेट के धारण सहित अन्य किये जाने वाले प्रयासों एवं इंटीग्रेटेड रोड़ एक्सीडेंट डाटाबेस एवं ईडार के संबंध में व्यापक प्रशिक्षण के साथ-साथ अद्यतन प्रविष्टि तथा इसके समुचित विश्लेषण से दुर्घटनाजन्य सड़क खण्डों में प्रभावी कार्यवाही हेतु कार्ययोजना तैयार कर कार्य करने हेतु अवगत कराया। बैठक में पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में नियंत्रण हेतु पुलिस एवं पशुपालन विभाग की संयुक्त टीम के क्रमशः महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश एवं उड़ीसा प्रवास एवं इन राज्यों में दुर्घटनाओं को रोकने के उपायों के संबंध में भी अवगत कराया गया।

जल जीवन मिशनः 28.32 लाख से अधिक परिवारों को मिला घरेलू नल कनेक्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य के ग्रामीण अंचलों में निःशुल्क घरेलू नल कनेक्शन देने का काम तेजी से किया जा रहा है। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत घरों में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत 49 लाख 91 हजार 926 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन दिए जाने के विरूद्ध वर्तमान में 28 लाख 32 हजार 244 घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

इसके साथ-साथ राज्य के 39 हजार 113 स्कूलों, 37 हजार 501 आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा 15 हजार 614 ग्राम पंचायत भवनों और सामुदायिक उप-स्वास्थ्य केन्द्रों में टेप नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की व्यवस्था की गई है। छत्तीसगढ़ का रायपुर जिला सर्वाधिक 01 लाख 42 हजार 941 ग्रामीण परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में पहले स्थान पर है। इसी तरह जांजगीर-चांपा जिला 01 लाख 42 हजार 791, महासमुंद जिले में 01 लाख 39 हजार 506 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन देने में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे इस जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्य में प्रति व्यक्ति, प्रतिदिन 55 लीटर के मान से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है, इसके लिए सभी जिलों में कार्ययोजना तैयार कर तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। इस मिशन के तहत घरेलू नल कनेक्शन के अतिरिक्त स्कूल, उप-स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में भी रनिंग वाटर की व्यवस्था की जा रही है।

इसके साथ ही साथ राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना नरवा, गरवा, घुरवा, बाड़ी के अंतर्गत बनाए गए गौठानों में भी पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। उल्लेखनीय है कि सचिव लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी डॉ. एस. भारतीदासन एवं मिशन संचालक श्री आलोक कटियार द्वारा जमीनी स्तर पर राज्य में सिंगल विलेज स्कीम और मल्टी विलेज स्कीम और अन्य पेयजल योजनाओं सहित जल जीवन मिशन के कार्यों का क्रियान्वयन की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। जल जीवन मिशन के तहत अब तक धमतरी जिले में 01 लाख 30 हजार 703, रायगढ़ जिला में 01 लाख 27 हजार 689, कवर्धा 01 लाख 23 हजार 636, बिलासपुर में 01 लाख 23 हजार 487, बलौदाबाजार-भाटापारा में 01 लाख 22 हजार 885 घरेलू नल कनेक्शन दिए गए हैं। इसी प्रकार दुर्ग जिले में 01 लाख 16 हजार 206, मुंगेली में 01 लाख 16 हजार 123 तथा राजनांदगांव जिला 01 लाख 13 हजार 030 नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। इसी तरह बालोद में 01 लाख 13 हजार 024, बेमेतरा जिले में 01 लाख 12 हजार 917, सक्ती में 01 लाख 6 हजार 865, गरियाबंद 89 हजार 753, बलरामपुर में 88 हजार 521, जशपुर में 87 हजार 622, कोरबा में 86 हजार 397, सरगुजा जिले के 85 हजार 768, बस्तर में 82 हजार 410 शुद्ध पेयजल के लिए घरेलू नल कनेक्शन दिए गए हैं।

सूरजपुर में 80 हजार 007, कोण्डागांव में 76 हजार 332, कांकेर 73 हजार 390, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 60 हजार 353, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 48 हजार 830, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 43 हजार 507, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 38 हजार 910, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 30 हजार 578, सुकमा में 30 हजार 256, कोरिया में 28 हजार 142, बीजापुर 26 हजार 414, दंतेवाड़ा में 25 हजार 520 और नारायणपुर जिले में 17 हजार 731 ग्रामीण परिवारों को शुद्ध पेयजल के लिए घरेलू नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं।

राजधानी में जमकर बरसे बादल,शहर हुआ पानी-पानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में गुरूवार शाम को जोरदार बारिश हुई। करीब एक घंटे हुई तेज बारिश से शहर पानी-पानी हो गया। वहीं मौसम विभाग ने अगले दो दिन और बारिश होने की संभावना व्यक्त की है।

साथ ही प्रदेश के धमतरी,बस्तर,गरियाबंद कोंडागांव और कांकेर में शुक्रवार सुबह तक बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। गुरूवार

शाम राजधानी में करीब एक घंटे जोरदार बारिश हुई जिसके चलते शहर की सड़के पानी से लबालब हो गई। वहीं उमस भरी गर्मी से लोगों को राहत भी मिली। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में बारिश की गतिविधियों में उतार चढ़ाव बना हुआ है। जिसके चलते प्रदेश मे कई स्थानों पर बारिश हो रही है। वहीं शुक्रवार और शनिवार को प्रदेश के कई जिलो में भारी वर्षा का अलर्ट जारी किया गया है।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

छत्तीसगढ़ में अब तक 634.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2023 से अब तक राज्य में 634.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2023 से आज 17 अगस्त सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1082.9 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 306.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 579.6 मिमी, बलरामपुर में 576.6 मिमी, जशपुर में 515.2 मिमी, कोरिया में 620.6 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 632.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

इसी प्रकार, रायपुर जिले में 738.6 मिमी, बलौदाबाजार में 636.2 मिमी, गरियाबंद में 593.3 मिमी, महासमुंद में 700.9 मिमी, धमतरी में 627.3 मिमी, बिलासपुर में 634.9 मिमी, मुंगेली में 823.3 मिमी, रायगढ़ में 699.0 मिमी, सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 551.8 मिमी, जांजगीर-चांपा में 514.1 मिमी, सक्ती में 524.3 मिमी, कोरबा में 637.5 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 601.0 मिमी, दुर्ग में 503.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी। कबीरधाम जिले में 493.6 मिमी, राजनांदगांव में 685.3 मिमी, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 791.8 मिमी, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 654.1 मिमी, बालोद में 687.2 मिमी, बेमेतरा में 491.2 मिमी, बस्तर में 679.4 मिमी, कोण्डागांव में 488.9 मिमी, कांकेर में 564.5 मिमी, नारायणपुर में 577.5 मिमी, दंतेवाड़ा में 772.4 मिमी और सुकमा में 939.9 मिमी औसत वर्षा एक जून से अब तक रिकार्ड की गई।

किसानों की जरूरतों के अनुसार जल सिंचाई जलाशयों प्रदाय करें: मंत्री रविन्द्र चौबे

रायपुर (ए)। जल संसाधन मंत्री रविन्द्र चौबे ने महानदी भवन, मंत्रालय स्थित अपने कक्ष में सिंचाई जलाशयों में जल भराव की स्थिति और कृषकों द्वारा सिंचाई के लिए जल की मांग के संबंध में विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में मंत्री रविन्द्र चौबे ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को जलाशयों से सिंचाई के लिए मांग और आवश्यकता के अनुसार पानी छोड़ा जाए।

बैठक में विभागीय अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में 12 वृहद और 34 मध्यम परियोजनाओं में औसतन 79 प्रतिशत जल भराव है। वर्तमान में महानदी जलाशय परियोजना (गंगरेल), मिनीमाता (हसदेव) बांगो परियोजना, तांदुला जलाशय, खारंग जलाशय, सीकासार जलाशय, मनियारी, कोडार, घोंघा, कोसारटेडा (बस्तर), खरखरा, गोंदली, श्याम घुन्घुट्टा, छिरपानी जलाशय सहित अन्य मध्यम एवं लघु जल परियोजनाओं जलाशयों से किसानों को मांग अनुरूप जल प्रदाय किया जा रहा है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति दिनों-दिन बढ़ रहा रुझान

राज्य में अब तक 71736 इलेक्ट्रिक वाहन हो चुके हैं पंजीकृत

परिवहन विभाग के द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन को बढ़ावा देने वाहन के मूल्य का 10 प्रतिशत सब्सिडी दिया जा रहा

इलेक्ट्रिक वाहन नीति के बाद बढ़ा है इलेक्ट्रिक वाहनो का पंजीयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के इलेक्ट्रिक पॉलिसी की वजह से राज्य में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में उतरोत्तर वृद्धि दर्ज हो रही है। परिवहन विभाग के अंतर्गत राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2022 के बाद अब तक 71 हजार 736 इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हो चुके हैं।

इस संबंध में परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने बताया कि छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रिक वाहन को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप हर संभव पहल की जा रही है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति जो इलेक्ट्रिक व्हीकल खरीदता है, वह राज्य शासन से सब्सिडी प्राप्त कर सकता है। इसके लिए वाहन विक्रेता डीलर को अपना अकाउंट नंबर और आईएफएस कोड देना होगा। वाहन के मूल्य का 10 प्रतिशत जो अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक हो सकता है, इलेक्ट्रिक वाहन क्रेता के खाते में परिवहन विभाग द्वारा सीधे हस्तांतरित किए जाएंगे।

परिवहन आयुक्त दीपांशु काबरा से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में राज्य में अब तक 71 हजार 736 इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत किए जा चुके हैं। इनमें परिवहन कार्यालय अंतर्गत रायपुर में 27 हजार 110, दुर्ग में 8 हजार 272, बिलासपुर में 7 हजार 438, अंबिकापुर में 4 हजार 302, राजनांदगांव में 3 हजार 461, कोरबा में 3 हजार 311, रायगढ़ में 3 हजार 243, बलौदाबाजार में 2 हजार 415 तथा जांजगीर-चांपा 2 हजार 367 वाहन मालिक इलेक्ट्रिक पॉलिसी से लाभान्वित हो चुके हैं।

इसी तरह सूरजपुर में एक हजार 86, धमतरी में एक हजार 40, महासमुन्द में एक हजार 4, जगदलपुर में 782, बैकुण्ठपुर में 680, जशपुर मे 634, मुंगेली में 627, कवर्धा में 603, बलोद में 596 तथा बेमेतरा में 517 वाहन मालिक इलेक्ट्रिक पॉलिसी से लाभान्वित हो चुके हैं। इसके अलावा दंतेवाड़ा में 500, कांकेर में 429, कोण्डागांव में 330, बलरामपुर में 279, गरियाबंद 213, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 170, बीजापुर में 134, नारायणपुर में 97 तथा सुकमा में 96 वाहन मालिकों ने इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीदी कर इलेक्ट्रिक पॉलिसी से लाभान्वित हो चुके हैं।

शहरी बेघरों के लिए होंगे पर्याप्त आश्रयस्थल: सुयोग्य

राज्य स्तरीय आश्रय स्थल निगरानी समिति की बैठक में अध्यक्ष सुयोग्य मिश्र ने दिये निर्देश

सीएसआर, निराश्रित निधि तथा अन्य संस्थानों से भी वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में करें काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शहरी बेघरों के लिए आश्रयस्थलों में पर्याप्त व्यवस्था हो, इसके लिए नगर निगमों में शहरी बेघरों के अद्यतन आंकड़ों का सर्वे कर इसके मुताबिक आश्रयस्थल की क्षमता निर्धारित की जाएगी। इसके साथ ही आश्रयस्थलों के चिन्हांकन में लोकेशन का विशेष ध्यान रखा जाएगा। आश्रयस्थल ऐसे जगहों पर आरंभ किये जाएंगे जो स्टेशन, बस स्टैंड, श्रमिकों की आवाजाही वाली जगहों के निकट हों। यह निर्देश राज्य स्तरीय आश्रय स्थल निगरानी समिति की राजधानी स्थित न्यू सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में समिति के अध्यक्ष सुयोग्य कुमार मिश्र ने दिये। बैठक में श्री मिश्र ने कहा कि आश्रयस्थल यहां आने वाले शहरी बेघरों के लिए उपयोगी हों, इसमें बुनियादी अधोसंरचनाएं और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों और समय-समय पर इसकी मानिटरिंग होती रहे।

श्री मिश्र ने कहा कि आश्रय स्थलों के लिए पर्याप्त फंडिंग भी बहुत जरूरी है ताकि यहां आने वाले बेघरों के लिए जरूरी सुविधाएं सुनिश्चित कर सकें। इसके लिए सीएसआर से तथा निराश्रित निधि से सहायता ली जा सकती है। बहुत से धार्मिक संस्थान, व्यावसायिक संगठन तथा चेंबर आफ कामर्स आदि शहरी बेघरों की सहायता के लिए इच्छुक रहते हैं। इनसे संपर्क कर आश्रयस्थलों को दी जाने वाली सुविधाओं के लिए मदद ली जा सकती है। ऐसी फंडिंग से यहां उपयोगी गतिविधियां शुरू हो सकेंगी। आश्रयस्थलों में रचनात्मक गतिविधियां भी की जा सकती हैं ताकि यहां बेहतर वातावरण बनाने में मदद मिले।

श्री मिश्र ने कहा कि आश्रयस्थलों के निर्माण में लोकेशन का महत्व काफी है। जो लोकेशन भीड़भाड़ वाली जगहों के पास होती है वो ज्यादा उपयोगी होती हैं और इससे आश्रयस्थल का उद्देश्य भी पूरा होता है। इसके साथ ही आश्रयस्थल का व्यापक प्रचार-प्रसार भी हो ताकि लोगों को इसके बारे में जानकारी रहे।

बैठक में राज्य शहरी विकास अभिकरण के सीईओ सौमिल रंजन चौबे ने कहा कि संयुक्त संचालक नियमित रूप से आश्रयस्थलों की मानिटरिंग करें। उन्होंने खैरागढ़ में आश्रय स्थल भवन निर्माण कार्य आगामी सितंबर माह के पहले सप्ताह तक पूर्ण होने की जानकारी दी और बताया कि बस स्टैण्ड, भाटापारा एवं नगर पालिका परिषद कार्यालय रतनपुर के समीप बनने वाले आश्रय स्थल भवन के निर्माण हेतु निविदा की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है।

राज्य स्तरीय आश्रय स्थल निगरानी समिति की बैठक में समिति द्वारा पूर्व में दिए गए निर्देशों के परिपालन में की गई कार्यवाही से अवगत कराया गया। गौरतलब है कि दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत राज्य में 51 आश्रय स्थल स्वीकृत हैं, जिनमें से 47 आश्रय स्थल वर्तमान में संचालित है एवं 1 आश्रय स्थल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में हैं।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के तीसरे चरण की शुरूआत आज से, 23 अगस्त तक चलेगी प्रतियोगिता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के तीसरे चरण की शुरूआत आज से विकासखंड व नगरीय क्लस्टर स्तर की प्रतियोगिता से होगी। यह स्पर्धा दूसरे चरण में आयोजित जोन स्तरीय विजेता प्रतिभागियों एवं दलों के मध्य होगी। प्रतियोगिता का समापन 23 अगस्त को होगा। पहले चरण में राजीव युवा मितान क्लब स्तर की प्रतियोगिता 17 जुलाई से 22 जुलाई तक एवं दूसरे चरण में जोन स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन 26 जुलाई से 31 जुलाई तक किया गया था। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल पर वर्ष 2022 में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खेलों को प्रोत्साहित करने, खेलों के प्रति जागरूकता फैलाने, खिलाड़ियों को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक की शुरूआत की गई। प्रथम छत्तीसगढ़िया ओलंपिक को अभूतपूर्व लोकप्रियता मिली थी और गांवों से लेकर शहरों तक बूढ़े, बच्चों एवं महिलाओं ने इसमें बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था। अभी चल रहे छत्तीसगढ़िया ओलंपिक को लेकर लोगों में भारी उत्साह है।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के तीसरे चरण की स्पर्धा में ग्रामीण क्षेत्रों के जोन स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी एवं दल विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता में एवं नगरीय क्षेत्रों के जोन स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागी एवं दल नगरीय क्लस्टर स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे। नगरीय स्तर की प्रतियोगिता में जिन जिलों में नगर निगम हैं, वहां यह प्रतियोगिता नगर निगम मुख्यालय पर नगरीय क्लस्टर स्तर पर होगी, जो कि विकासखंड स्तर के समतुल्य मानी जाएगी। जिले के सभी नगर पंचायतों तथा नगर पालिका क्षेत्र के जोन स्तर के विजेता सम्मिलित रूप से वर्चुअल नगर निगम क्षेत्र में समाहित मानते हुए किसी उपयुक्त नगरीय निकाय में आयोजित वर्चुअल नगर पालिक निगम में निगम स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

राजीव युवा मितान क्लब स्तर, जोन स्तर एवं विकासखंड एवं नगरीय क्लस्टर स्तर पर प्रतियोगिता होने के बाद चौथे चरण में जिला स्तर पर इसका आयोजन 27 अगस्त से 04 सितंबर तक, पांचवे चरण में संभाग स्तर पर 10 सितंबर से 20 सितंबर तक और अंतिम में राज्य स्तर स्पर्धाएं आयोजित होंगी। जिसका आयोजन 25 सितंबर से 27 सितंबर तक होगा।

छत्तीसगढ़ के पारम्परिक खेल प्रतियोगिता दलीय व एकल दो श्रेणी में आयोजित की जा रही है। छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक में दलीय श्रेणी में गिल्ली डंडा, पिट्ठुल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी और बांटी (कंचा) जैसी खेल विधाएं शामिल की गई हैं। वहीं एकल श्रेणी की खेल विधा में बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़, लम्बी कूद, रस्सी कूद एवं कुश्ती शामिल हैं।

बोडोलैंड के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोरो ने किया रूरल इंडस्ट्रियल पार्क का अवलोकन

लोगों को पलायन से रोकने के लिए रीपा एक महत्वपूर्ण पहल: प्रमोद बोरो

रायपुर। बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोरो के नेतृत्व में आई 11 सदस्यीय प्रतिनिधि कमेटी ने अपने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान गुरुवार को आरंग विकासखण्ड के सेरीखेड़ी, लखौली और कोसरंगी में संचालित रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) में संचालित हो रही विभिन्न आयमूलक गतिविधियों का जायजा लिया। सर्वप्रथम प्रमोद बोरो सेरीखेड़ी स्थित मल्टी यूटिलिटी सेंटर पहुंचे, यहां उन्होंने सोप यूनिट, गोदना यूनिट, एंब्रॉयडरी आर्ट, राखी निर्माण बेकरी यूनिट, नर्सरी यूनिट, पैकेट ड्रिंकिंग वॉटर यूनिट, नरवा, गोबर पेंट यूनिट, बिहान कैंटीन, मिक्चर निर्माण यूनिट, हथकरघा यूनिट, स्टिचिंग यूनिट, आंगनबाड़ी केंद्र, मोती उत्पादन एवं मछली प्रजनन यूनिट का अवलोकन किया। इस मौके पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त सचिव एवं राज्य रीपा के नोडल डॉ. गौरव सिंह भी

उपस्थित थे। बोडोलैंड के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोरो ने कहा कि हम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर ही लोगों को रोजगार मुहैया कराने की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं। हमने छत्तीसगढ़ में रूरल इंडस्ट्रियल पार्क और मल्टी यूटिलिटी सेंटर को लेकर किए जा रहे कार्यों की सराहना सुनी थी, आज देख भी लिया। इसके बाद मैं कह सकता हूं कि लोगों को पलायन से रोकने के लिए रीपा एक महत्वपूर्ण पहल है।

प्रमोद बोरो ने कहा कि बोडोलैंड में हमारा फोकस स्थानीय पर रोजगार उपलब्ध कराने और गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में है। इस काम को छत्तीसगढ़ सरकार बखूबी कर रही है। उत्पादन से लेकर मार्केटिंग तक एक ही जगह पर सुव्यवस्थित ढंग से काम किया जा रहा है। यह स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने का एक अच्छा तरीका है। रीपा छत्तीसगढ़ सरकार की अच्छी सोच का परिणाम है। हमारे बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र में आने वाले जिलों में 42 हजार से ज्यादा स्व-सहायता समूह कार्यरत हैं। छत्तीसगढ़ सरकार रीपा के जरिए सभी गतिविधियों का संचालन अच्छी तरह से करवा रही है, छत्तीसगढ़ में 300 रीपा तैयार किए जा चुके हैं और ऐसे उत्पाद बनाए जा रहे हैं जो दैनिक उपयोगी है, जो लगातार लोगों की जरूरत के हैं। स्थानीय रोजगार के लिए रीपा की पहल बहुत अच्छी है। मैं छत्तीसगढ़ सरकार और रीपा से जुड़े सभी लोगों को इस रचनात्मक सोच के लिए बधाई देता हूं।

मुख्यमंत्री दाई दीदी क्लिनिक से जिले के 53 हजार से अधिक महिलाओं को मिला लाभ

मोहल्ले में मिल रही है नि:शुल्क ईलाज-दवाई की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन की महत्वपूर्ण योजना मुख्यमंत्री दाई दीदी क्लिनिक से महिलाओं को बड़ी राहत मिल रही है। उन्हे छोटी-छोटी तकलीफों के लिए किसी क्लिनिक जाने की आवश्यकता नही होती। अस्पतालों में स्त्री रोग चिकित्सक उपलब्ध ना होने पर भी उन्हे परेशानी नही होती क्योकि उन तक दाई दीदी क्लिनिक के माध्यम से सुविधा पहुंच जाती है। रायपुर में योजना की शुरूआत से लेकर अबतक 789 जगहों पर नि:शुल्क शिविर लगाई जा चुकी है। जिससे 53 हजार 553 मरीजों का नि:शुल्क ईलाज किया गया। 48 हजार 881 मरीजों को दवाईयों कि वितरण किया गया तथा 12 हजार 145 मरीजों को लैब टेस्ट की सुविधा मिली है। साथ ही ईलाज और दवाईयां दोनो नि:शुल्क मिलती है। महिला हितग्राही इस सुविधा के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और जिला प्रशासन को धन्यवाद दे रही हैं।

हीरापुर आरडीए कॉलोनी निवासी अहिल्या देवी बताती हैं कि वे पिछले महीने मंदिर में पूजा करने आयी थी, तब देखी की यहां पर दाई दीदी क्लिनिक की गाड़ी आयी हुयी थी। मैंने डॉक्टर मैडम को बताया की मेरी बेटी बोल नहीं पाती है, जिसको हर महीने मासिक धर्म के दौरान पेट में और शरीर में दर्द के साथ बुखार आता है। यह सुनकर डॉक्टर मैडम ने कहा की आप यहां आकर जांच करा कर नि:शुल्क दवाई ले जा सकते हैं। उसके बाद से मैं हर महीने इस गाडी में आकर अपने बेटी के लिए दवाई ले जाती हूं जिससे मेरी बेटी अब पहले से ठीक है। वहीं पी.ममता नायडू बताती हैं कि मुझे बीपी और शूगर की समस्या है, हमारे क्षेत्र में हर महीने यह दाई दीदी क्लिनिक की गाडी आती है जहां जांच कर दवाई नि:शुल्क दिया जाता है और हर समस्या का समाधान होता है। इस से हमारे क्षेत्र के और आसपास के लोगों को काफी सुविधा हो गयी है, जिसके कारण हमें किसी और अन्य डॉक्टरों के पास जाने की जरुरत नहीं पड़ती और पैसे खर्च नहीं होने से हमारी बचत भी हो जाती है।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री दाई-दीदी क्लिनिक योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट के वाहन में महिला चिकित्सकों और महिला स्टॉफकी टीम पहुंचती है तथा जरूरतमंद महिलाओं एवं बालिकाओं की विभिन्न बीमारियों का नि:शुल्क जांच एवं इलाज करती है। स्लम क्षेत्र में रहने वाली तथा मेहनत मजदूरी करने वाली ऐसी महिलाएं जो समयाभाव या अन्य कई कारणों से अपना इलाज नहीं करा पा रही थी परन्तु अब दाई-दीदी क्लीनिक से उन्हें इलाज की सुविधा घर के पास ही महिला चिकित्सकों और चिकित्सा स्टाफ के माध्यम से मिल रही है।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

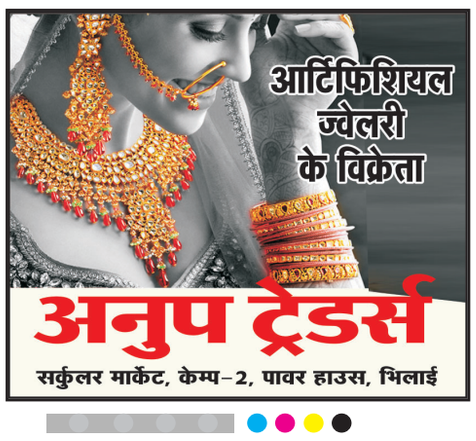

शॉर्ट ड्रेस पहन शमा ने लगाया बोल्डनेस का तड़का

टीवी एक्ट्रेस शमा सिकंदर हमेशा अपनी बोल्ड और ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों को अपने सेक्सी लुक्स से हैरान कर देती हैं। एक्ट्रेस की लेटेस्ट फोटोज में हॉटनेस देखकर एक बार फिर से उनके चाहने वालों का बीपी हाई हो गया है। इन तस्वीरों ने एक बार फिर से इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने एक बार फिर से अपने हॉट और सिजलिंग अंदाज से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं। हाल ही में एक्ट्रेस शमा सिकंदर ने डेनिम शॉर्ट्स और ब्लैक कलर के टॉप में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से आहें भरने लगे हैं। शमा सिकंदर अपनी इन फोटोज में कैमरे के सामने सिजलिंग अदाओं में पोज देती हुई फैंस के होश उड़ा रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस हमेशा दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। एक्ट्रेस ने एक बार फिर से अपनी इन फोटोज में परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करते हुए हॉटनेस का तड़का लगा दिया है। शमा सिकंदर की इन तस्वीरों पर फैंस कॉमेंट्स करते हुए अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है- ब्यूटिफुल तो वहीं दूसरे ने लिखा है- सो हॉट।

वैश्विक स्तर पर 400 करोड़ की हुई जेलर

तमिल सुपरस्टार रजनीकांत की हालिया प्रदर्शित फिल्म जेलर को रिलीज हुए 6 दिन बीत चुके हैं। इन 6 दिनों में साउथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म थियेटर्स में हंगामा मचा रही है। इस मूवी ने रिलीज के सिर्फ 6 दिन के अंदर बंपर कमाई करते हुए 400 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है। इतना ही नहीं, इसके साथ ये उन तमिल फिल्मों की लिस्ट में शामिल हो चुकी है जिन्होंने कम ही वक्त में बंपर कमाई करते हुए 400 करोड़ रुपये की मोटी रकम अपने नाम की। नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने रिलीज ने वर्ल्डवाइड स्तर पर सिर्फ 6 दिन के अंदर 416.19 करोड़ रुपये की कुल रकम हासिल की है।

मूल रूप से तमिल भाषा में बनी जेलर 10 अगस्त के दिन सिल्वर स्क्रीन पहुंची थी। इस दिन फिल्म ने शानदार कमाई अपने नाम करते हुए वर्ल्डवाइड स्तर पर 95.78 करोड़ रुपये की कमाई की। दूसरे दिन फिल्म ने 56.24 करोड़ रुपये कमाए थे। तीसरे दिन फिल्म की कमाई में फिर उछाल देखा गया और मूवी ने 68.51 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की। रविवार के दिन जेलर ने अपने नाम कुल 82.36 करोड़ रुपये का आंकड़ा हासिल किया। जबकि, पहले सोमवार पर भी फिल्म ने अच्छी रकम हासिल की थी। पहले शनिवार इस मूवी ने 49.03 करोड़ रुपये कमाए। इसके बाद मंगलवार के दिन ये मूवी 64.27 करोड़ रुपये की कमाई अपने नाम कर ले गई। इसके साथ ही मूवी ने अभी तक अपने नाम कुल 416.19 करोड़ रुपये की रकम जुटा ली है। रजनीकांत, तमन्ना भाटिया, जैकी श्रॉफ और मोहनलाल स्टारर निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार की मूवी को पैन इंडिया स्तर पर रिलीज किया गया था। ये मूवी तमिल के अलावा, हिंदी, कन्नड़, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में भी रिलीज हुई है। सिर्फ हिंदी बेल्ट को छोड़कर इस मूवी ने बाकी सभी राज्यों से अच्छी कमाई हासिल की है। जबकि, सिर्फ तमिलनाडु बॉक्स ऑफिस से ही इस मूवी ने अपने नाम 150 करोड़ रुपये की शानदार कमाई हासिल कर ली है।

सेहत पर भारी पड़ सकती है चाय की दीवानगी, नींद पर भी पड़ता है असर

अगर आप भी चाय के दीवाने हैं, दिनभर में कई-कई कप चाय पी जाते हैं तो संभल जाएं। यह सेहत के लिए गंभीर रूप से खतरनाक हो सकता है। कुछ अध्ययन में बताया गया है कि अगर लिमिट में चाय पी जाए तो वह फायदेमंद हो सकती है लेकिन अगर ज्यादा चाय पी रहे हैं तो इसके कई नुकसान हो सकते हैं। ज्यादा चाय पीने से चिंता, नींद की समस्या और सिरदर्द जैसे समस्याएं हो सकती है। रिसर्च में पाया गया है कि चाय में कुछ ऐसे यौगिक पाए जाते हैं, जो शरीर से कुछ पोषक तत्वों के अवशोषित कर सकते हैं। इसमें से सबसे प्रमुख आयरन है। आइए जानते हैं ज्यादा चाय पीने से क्यों सावधान रहना चाहिए।

शरीर से आयरन सोख सकती है चाय

शोध में पाया गया है कि चाय में टैनिन नाम का एक कंपाउंड पाया जाता है, जो कुछ चीजों में आयरन से बाइंड हो जाता है। यह पाचन तंत्र से आयरन अवशोषित कर उसे प्रभावित कर सकता है। जब शरीर में आयजन की कमी हो जाती है, तब एनीमिया का खतरा बढ़ जाता है। इसकी वजह से थकान और कमजोरी जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। इसलिए जिन लोगों में पहले से ही आयरन की कमी है, उन्हें चाय कम पीनी चाहिए।

नींद को प्रभावित कर सकती है चाय

चाय में कैफीन पाया जाता है, जिसकी ज्यादा मात्रा शरीर में पहुंचने से नींद की समस्या हो सकती है। शोध से पाया गया है कि कैफीन मेलाटोनिन उत्पादन पर ब्रेक लगा सकता है। इससे नींद खराब हो सकती है। मेलाटोनिन हार्मोन मस्तिष्क को संकेत देता है कि अब सोने का समय हो गया है। जब नींद नहीं पूरी होती, तब मानसिक और शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

दिल में जलन की समस्या

चाय में मौजूद कैफीन शरीर में पहुंचने पर हार्ट बर्न जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। शोध के मुताबिक, कैफीन की वजह से पेट में एसिड का उत्पादन बढ़ सकता है। इससे एसिड रिफलक्स और हार्ट बर्न की परेशानी हो सकती है। शोध में यह भी पाया गया है, जिन लोगों में पहले से ही ये दोनों समस्याएं हैं, ज्यादा कैफीन के सेवन से उनमें और भी समस्याएं हो सकती हैं।

प्रेग्नेंसी में ज्यादा चाय खतरनाक

अगर कोई महिला प्रेग्नेंट है तो उसे ज्यादा चाय पीने से परहेज करना चाहिए। इसकी वजह से गर्भपात ही नहीं जन्म के समय बच्चे को वजन में कमी की समस्या हो सकती है। गर्भावस्था में कैफीन से क्या नुकसान हो सकते हैं, इसका अभी तक स्पष्ट डेटा नहीं है। हालांकि, यह भी स्पष्ट नहीं है कि यह कितना सुरक्षित है। हालांकि, ज्यादातर रिसर्च में पाया गया है कि हर दिन 200-300 मिलीग्राम से कम ही कैफिन का सेवन करना चाहिए।

खतरों के खिलाड़ी से टेलीविजन की दुनिया का गुर सीखा डेजी शाह

रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में प्रतिभागी डेजी शाह को लगता है कि वह इस शो से काफी कुछ सीख गई हैं। उन्होंने कहा कि खतरों के खिलाड़ी करने के बाद वह यह सीख चुकी हैं कि टेलीविजन पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। डेजी शाह ने सलमान खान के साथ फिल्म जय हो से बॉलीवुड में डेब्यू किया था।

अभिनेत्री डेजी शाह रियलिटी शो करने वाली बॉलीवुड हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। वह वर्तमान में फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13 में प्रतिभागी हैं। अभिनेत्री को बुधवार को शिव ठाकरे और साउंडस मौफाकिर के साथ गेमिंग चैलेंज में भाग लेते देखा गया।

अभिनेत्री ने शो खतरों के खिलाड़ी में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो के लिए मुझे सभी से बहुत प्यार मिल रहा है। मैंने इस तरह के प्यार की उम्मीद नहीं की थी। इस शो को करने का मकसद बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़ना था।

उन्होंने कहा, मुझे इस बारे में कोई अंदाजा नहीं था कि टीवी की दुनिया कैसे चलती है। अब मैंने सीख लिया है कि टेलीविजन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं। यह सीखने का एक शानदार अनुभव रहा है। मैंने इस शो के साथ बहुत अच्छी यादें और दोस्त बनाए हैं।

शो में अपने विभिन्न स्टंट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, स्टंट शुरू करने से ठीक पहले एक तितली जैसा एहसास होता है लेकिन फिर आपको रोहित सर की आवाज सुनाई देती है कि आप यह कर सकते हैं। यह आपको स्टंट करने के लिए प्रेरणा देता है।

सनी देओल की गदर-2 का शानदार प्रदर्शन जारी, कमाई 300 करोड़ की ओर

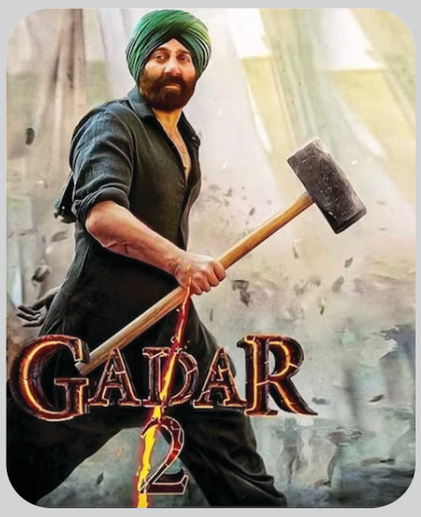

अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित गदर 2 का पहले दिन से टिकट खिड़की पर शानदार प्रदर्शन जारी है। 22 साल बाद आए गदर के इस सीक्वल को देखने के लिए सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है। रिपोर्ट के अनुसार, गदर 2 ने रिलीज के छठे दिन 34.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसके बाद फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 263.48 करोड़ हो गया है।

गदर 2 ने पहले दिन 40.1 करोड़ रुपये के साथ अपनी शुरुआत की थी, वहीं फिल्म की कमाई में दूसरे दिन इजाफा हुआ और इसने 43.08 करोड़ रुपये कमाए। तीसरे दिन फिल्म ने 51.7 करोड़ और चौथे दिन 38.7 करोड़ रुपये का कारोबार किया। पांचवें दिन फिल्म को स्वतंत्रता दिवस की छुट्टी का फायदा मिला और इसने 55.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसी के साथ गदर 2 की कमाई 300 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है। गदर 2 में सनी देओल ने तारा सिंह के रूप में वापसी की है। अमीषा पटेल और उत्कर्ष शर्मा ने भी फिल्म में मुख्य भूमिका निभाई है। गदर 2 2001 में आई फिल्म गदर का सीक्वल है। 18 करोड़ की लागत में बनी इस फिल्म ने 133 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था। गदर ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर उपलब्ध है।निर्देशक अब गदर की तीसरी किस्त यानी गदर 3 बनाने पर भी विचार कर रहे हैं।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ किरणमयी नायक ने बेबी केयर सेंटर का किया आकस्मिक निरीक्षण

गरियाबंद। कलेक्टर आकाश छिकारा के विशेष पहल से जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में बेबी केयर सेंटर का संचालन किया जा रहा है। इस सेंटर के शुरू होने से कलेक्टोरेट कार्यालय आने वाली एवं कार्यालय में कार्यरत शिशुवती महिलाओं को अपने छोटे बच्चों के देखभाल के लिए सहुलियत हो रही है। महिलाओं से संबंधित प्रकरणों की सुनवाई के सिलसिले में गरियाबंद प्रवास पर रही छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ किरणमयी नायक ने आज बेबी केयर सेंटर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने सेंटर में मौजूद बच्चों को अपनी गोद में लेकर स्नेह के साथ दुलार किया। साथ ही सभी बच्चों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस दौरान डॉ नायक ने जिला प्रशासन द्वारा छोटे बच्चों के देखभाल के लिए की गई उत्तम व्यवस्था के कलेक्टर आकाश छिकारा और जिला प्रशासन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि कलेक्ट्रेट में कार्यरत शिशुवती महिलाओं और बाहर से आने वाली महिलाओं की सुविधा के लिए बेबी केयर सेंटर में बच्चों के बेहतर देखभाल के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई है । यहां महिलाएं अपने बच्चों को सुरक्षित जगह में दूध भी पिला सकती है । साथ ही बच्चों के खेलने के लिए भी खिलौने की भी व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि सेंटर के शुरू होने से महिलाओं की अपने बच्चों के देखभाल के लिए सुरक्षित जगह की तलाश की चिंता दूर हो गई है। महिलाएं सुरक्षित तरीके से बच्चों का देखभाल कर रही है।

जिला जनसंपर्क कार्यालय के तीन कर्मी स्वतंत्रता दिवस में हुए पुरस्कृत

गरियाबंद। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय में आयोजित समारोह में जिला जनसंपर्क कार्यालय गरियाबंद में कार्यरत तीन कर्मी पुरस्कृत हुए।मुख्य अतिथि संसदीय सचिव विकास उपाध्याय और कलेक्टर आकाश छिकारा ने तीनों कर्मियों को सम्मानित करते हुए अच्छे कार्य के लिए शुभकामनाएं दी।सम्मानित होने वाले कर्मियों में वाहन चालक भरत लाल सोनी,जिला समन्वयक (सोशल मीडिया) अनुराग पटेल एवं कंप्यूटर ऑपरेटर राकेश सिन्हा शामिल हैं। उल्लेखनीय है की वाहन चालक सोनी लंबे समय से शासकीय सेवा में निष्ठापूर्वक कार्य कर रहे है।सोनी 31 दिसंबर 2023 को सेवानिवृत्त होंगे।जिला समन्वयक पटेल राज्य शासन की योजनाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से जन जन तक पहुंचाने में सक्रियता से गंभीरतापूर्वक कार्य कर रहे है।इसी प्रकार कंप्यूटर ऑपरेटर राकेश सिन्हा गरियाबंद जिला निर्माण से ही जनसंपर्क कार्यालय में सेवा दे रहे है। चुनाव,कोविड काल,मुख्यमंत्री भेंट मुलाकात सहित शासकीय योजनाओं के प्रचार प्रसार में दिए गए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन किए है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2024 हेतु ऑनलाइन आवेदन 31 अगस्त तक आमंत्रित

बालोद। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किए जाने हेतु आनलाईन आवेदन 31 अगस्त तक आमंत्रित किया गया है। जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि इस पुरस्कार का उद्देश्य देश के बच्चों को उनकी असाधारण क्षमता को प्रोत्साहित करना है। जिन्होंने बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा और विज्ञान एवं प्राद्यौगिकी, पर्यावरण, कला, संस्कृति और नवाचार सहित सहित विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धि हासिल की हो। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने इन पुरस्कारों को 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' नाम से आरम्भ किया है। वीरता पुरस्कार सिक्खों के दसवें गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे पुत्रों साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फ्तेह सिंह की महान वीरता और सर्वोच्च बिलिदान को श्रद्धांजलि के रूप में हमारे देश के बहादुर बच्चों को वीरता पुस्कार दिया जाता है।

कलेक्टोरेट में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती हेतु अनुमोदित सूची जारी

जगदलपुर। सचिव छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर के निर्देश के परिपालन में कलेक्टोरेट में जिला स्थापना अंतर्गत तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर भर्ती के लिए प्रेस विज्ञप्ति 26 मई 2023 द्वारा जारी किया गया था। इस हेतु जिला स्तरीय भर्ती हेतु गठित चयन समिति द्वारा प्रोसेस सर्वर, फर्राश एवं अर्दली के रिक्त पदों के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों की कम्प्यूटराईज्ड सूची का अवलोकन उपरांत दावा-आपत्ति आमंत्रित किये जाने हेतु समिति द्वारा अनुमोदित सूची का प्रकाशन किया गया है। यदि किसी अभ्यर्थी को सूची में दर्शित प्रविष्टियों के संबंध में किसी प्रकार की दावा-आपत्ति हो तो वे पंजीबद्ध डाक या स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही 31 अगस्त 2023 को दोपहर 2 बजे तक जिला कार्यालय जगदलपुर में अपना अभ्यावेदन आवश्यक दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकते हैं।

अपशिष्ट से ऊर्जा के क्षेत्र में लगातार दिशा दिखा रही पिंपरी चिंचवाड़ महानगर पालिका की पहल

देशभर के शहरों में कूड़ा निस्तारण के साथ ऊर्जा उत्पन्न कर रहे 'वेस्ट टू एनर्जी' प्लांट

श्रीकंचपनथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जहां देशभर के शहरों ने अपशिष्ट प्रबंधन और स्रोत पृथक्करण के माध्यम से कचरा खत्म करने पर ध्यान केंद्रित किया, वहीं इन प्रयासों के बीच अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पन्न करने का लक्ष्य हासिल करना अभी भी बाकी था। हालांकि इस दौरान विभिन्न शहरी स्थानीय निकाय कचरे को ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए कई तरह के इनोवेशंस पर काम कर रहे थे और इस दिशा में उनके प्रयोग और अनुसंधान कड़ी मशक्कत के साथ निरंतर जारी रहे। अब हम विकसित देशों की तरह कचरे से ऊर्जा उत्पादन करने की दिशा में अग्रसर हैं। वहीं इस दिशा में सबसे खास उपलब्धि महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवाड़ ने हासिल की है, जहां नगर निगम के वेस्ट टू एनर्जी प्लांट्स में बनी ऊर्जा का उपयोग किया जा रहा है।

ठोस कूड़ा प्रबंधन के तहत पिंपरी चिंचवड़ महानगर पालिका और एंटोनी लारा रिन्यूएबल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की साझेदारी में मोशी में 14 मेगावाट बिजली उत्पन्न करने की क्षमता वाले 'वेस्ट टू एनर्जी' प्लांट का उद्घाटन 1 अगस्त, 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया। यहां 700 टन प्रतिदिन (ञ्जक्ष्ट) सूखे कूड़े के इस्तेमाल से हर दिन 14 मेगावाट बिजली बनाई जा रही है। यह कचरे से बिजली उत्पादन करने वाला महाराष्ट्र का अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट है। कुल जनरेट होने वाली 14 मेगावाट बिजली में से 2 मेगावाट का उपयोग इस प्लांट के संचालन में किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट से महानगर पालिका के नियमित आने वाले बिजली के बिल में 5 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से लगभग 35 प्रतिशत से 40 प्रतिशत तक की बचत होगी।

पिंपरी चिंचवाड़ शहर में प्रतिदिन लगभग 1150 मैट्रिक टन कचरे की प्रोसेसिंग होती है जिसमें से 700 मैट्रिक टन सूखा कचरा है और बाकी 450 मैट्रिक टन गीला कचरा कंपोस्ट में परिवर्तित किया जा रहा है। यह प्रोजेक्ट भारतीय शहरों में एकत्रित कचरे के गुणों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है और उसको जलाकर वैज्ञानिक विधि द्वारा ऊर्जा उत्पन्न की जाती है। इतना ही नहीं, अब बिजली संयंत्र से उत्पन्न होने वाली ऊर्जा का उपयोग उन्हें पावर ग्रिड से जोड़कर भी किया जा रहा है। वर्तमान में लगभग 11.6 मेगावाट बिजली निकटवर्ती सबस्टेशन के ग्रिड को निर्यात की जा रही है। पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड के तहत विकसित किया गया। यह प्रोजेक्ट 21 साल की अवधि तक चलेगा, जिसपर 300 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इस प्रोजेक्ट में ट्रीटेड वॉटर इस्तेमाल किया जा रहा है जिसके चलते स्वच्छ जल की बचत की जा रही है।

कर्नाटक में बेंगलुरु राज्य स्थित कन्नाहल्ली में साल 2021 में एक वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के प्रोजेक्ट पर काम शुरू हुआ। यहां बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका और सैटारेम एंटरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए जिसके तहत प्लांट पर निर्मित ऊर्जा बिजली कंपनियों को बेची जा सकती है। इस तरह से केवल बेंगलुरु के लैंडफ्लि पर जाने वाले कई हजार टन कचरे का भार कम करने में यह प्लांट मददगार सिद्ध हो सकता है।

इसी तरह से देशभर के शहरों द्वारा अब तेजी से शहरों में वेस्ट को एनर्जी में परिवर्तित करने के लिए प्लांट लगाने पर जोर दिया जा रहा है और उससे बड़ी उपलब्धि यह है कि इस उर्जा को तैयार कर शहरी स्थानीय निकाय बिजली बेचकर सर्कुलर इकोनॉमी की दिशा एक और मजबूत कदम बढ़ा रहे हैं। देश की राजधानी दिल्ली में भी वेस्ट टू एनर्जी के क्षेत्र में ठोस कदम बढ़ाए जा रहे हैं। यहां 4 वेस्ट टू एनर्जी प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। इसके साथ ही एक प्लांट 2400 टीपीडी क्षमता के साथ 24 मेगावाट बिजली पैदा कर रहा है और एक जगह 1300 टीपीडी क्षमता का प्लांट 12 मेगावाट ऊर्जा उत्पन्न कर रहा है। इस तरह दिल्ली में लगभग 7600 टीपीडी वेस्ट से कुल 76 मेगावाट बिजली बनाई जा रही है।

राष्ट्रपति ने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'मेरा बंगाल, व्यसन मुक्त बंगाल' अभियान का शुभारंभ किया

श्रीकंचपनथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (17 अगस्त, 2023) राजभवन, कोलकाता में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत 'मेरा बंगाल, व्यसन मुक्त बंगाल' अभियान का शुभारंभ किया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि मादक द्रव्यों का दुरुपयोग समाज और देश के लिए चिंता का विषय है। इन व्यसनों के कारण युवा अपने जीवन में सही दिशा नहीं चुन पाते हैं। यह अत्यंत चिंताजनक है और इस मामले में सभी मोर्चों पर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति में आध्यात्मिक जागृति, चिकित्सा, सामाजिक एकजुटता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के माध्यम से सुधार किया जा सकता है। उन्होंने ऐसे मुद्दों पर चर्चा करने और उनके समाधान की दिशा में काम करने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ जैसे संगठनों की सराहना की।

राष्ट्रपति ने कहा कि किसी भी प्रकार का व्यसन मानसिक तनाव और साथियों के दबाव के कारण विकसित होता है। नशे की लत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। व्यसन से कई अन्य विकार भी उत्पन्न होते हैं। व्यसन करने वाले लोगों के परिवार और मित्रों को भी काफी परेशानी होती है। उन्होंने सभी युवाओं से आग्रह किया कि वे नशे के आदी किसी भी मित्र की जानकारी उसके परिवार को दें।

राष्ट्रपति ने मादक पदार्थों का सेवन करने वाले लोगों से अपना जीवन नष्ट नहीं करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अगर वे किसी भी तरह के तनाव में हैं तो उन्हें अपने मित्रों, परिवार या किसी सामाजिक संगठन से बात करनी चाहिए। ऐसी कोई समस्या नहीं है जिसका वे अपनी इच्छाशक्ति से सामना नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्व मादक द्रव्यों के उपयोगऔर नशे की लत का फायदा उठाते हैं। मादक द्रयों को खरीदने में खर्च होने वाले पैसे का उपयोग आपराधिक गतिविधियों में भी किया जाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नशे के आदी लोग अपनी भलाई तथा समाज और देश के हित में इस बुरी आदत से बाहर आएंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि युवा हमारी सबसे महत्वपूर्ण संपत्ति हैं। उन्हें अपना समय और अपनी ऊर्जा भविष्य की नींव को मजबूत करने में लगानी चाहिए।

बोईरडीह जलाशय से सिंचाई के लिए पानी छोड़ा गया

श्रीकंचपनथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार बीएसपी के द्वारा किसानों की मांग पर जिले के डौण्डी विकासखण्ड के दल्लीराजहरा के समीपस्थ स्थित बोईरडीह डेम से सिंचाई हेतु पानी छोड़ा गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डौण्डी श्री सुरेश साहू ने बताया कि किसान संघ डौण्डी द्वारा खेतों में फसलों के लिए पानी की समस्या को देखते हुए बीएसपी के अधीन बोईरडीह डेम से सिंचाई हेतु पानी प्रदान करने की मांग की गई थी।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा किसानों की मांग के संबंध में तत्काल कलेक्टर श्री शर्मा को अवगत कराया गया था। कलेक्टर ने इसे तत्काल संज्ञान में लेते हुए बीएसपी प्रबंधन से बोईरडीह डेम से सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई करते हुए बीएसपी प्रबंधन द्वारा आज किसानों को आज सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराने हेतु बोईरडीह डेम को खुलवाया गया है। उल्लेखनीय है कि बोईरडीह डेम से सिंचाई हेतु पानी छोड़े जाने से बोईरडीह के आसपास स्थित कामता, कोटागांव, आड़ेझर, मलकुंवर, नर्राटोला के किसानों को सिंचाई हेतु समुचित पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगा। कलेक्टर के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री सुरेश साहू द्वारा मौके पर पहुँचकर वस्तु स्थिति की जानकारी ली गई। श्री साहू ने बताया कि किसानों के खेतों में पानी पहुँचना शुरू हो गया है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देशानुसार किसानों की मांग पर पूरी संवेदनशीलता के साथ की गई त्वरित कार्रवाई के फलस्वरूप किसानों के खेतों में पानी पहुँचने से बहुत ही प्रसन्नचित एवं बेहतर पैदावार के लिए पूरी तरह आशान्वित है। बहुत ही खुश नजर आ रहे डौण्डी विकासखण्ड के ग्राम आड़ेझर निवासी किसान मदनलाल एवं मयाराम ने कलेक्टर कुलदीप शर्मा के इस संवेदनशील निर्णय की भूरी-भूरी सराहना की है। उन्होंने बताया कि बोईरडीह डेम से आज पानी छोड़े जाने के फलस्वरूप उनके खेतों में सिंचाई हेतु पानी पहुँच गया है। किसानों के समस्याओं के तत्काल निराकरण हेतु जिला प्रशासन की त्वरित पहल की सराहना आड़ेझर निवासी किसान निर्भयराम ने भी की है।

स्व. बिसाहू दास स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय संबंध जिला अस्पताल में शुरू हुआ

जिले के कैंसर रोगियों को अब इलाज के लिए नहीं लगानी पड़ेगी बड़े शहरों की दौड़

श्रीकंचपनथ न्यूज

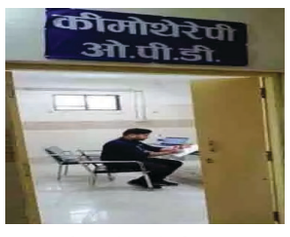

कोरबा। कलेक्टर सौरभ कुमार के मार्गदर्शन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी एवं अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम के प्रयास से जिले में कैंसर के ईलाज की सुविधा प्रारंभ हो गई है। जिले के स्व. बिसाहू दास स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय संबंध अस्पताल के ट्रामा सेंटर बिल्डिंग में प्रात: 8 बजे से 2 बजे तक कैंसर रोग- रेडियोथेरेपी विभाग की डे-केयर कीमोथेरेपी की सुविधा मिलेगी।

जिससे जिले के कैंसर रोगियों को अब इलाज के लिए बड़े शहरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। अब जिला चिकित्सालय कोरबा में ही कैंसर रोगियों की स्क्रीनिंग तथा डे केयर कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध होगी।

सीएमएचओ डॉ. केसरी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इसके पूर्व जिले के किसी भी अस्पताल में कैंसर रोगियों के उपचार की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। कैंसर रोगियों के ईलाज हेतु विभाग में डॉ पी. पाणिग्रही (एम.एस.), डॉ. सोनू कुमार साहू (जे.आर.) तथा डॉ. माधवी महत (जे.आर.) की नियुक्ति की गई है। इससे कैंसर रोगियों का कोरबा जिले में ही इलाज हो सकेगा और उन्हें मानसिक और शारीरिक परेशानी के साथ आर्थिक रूप से राहत मिलेगी।

कैंसर का इलाज न सिर्फ शारीरिक रूप से परेशान करने वाला होता है बल्कि आर्थिक रूप से भी परिवार को कष्ट देता है। कैंसर के मरीज का बाहर किसी चिकित्सालय में इलाज हेतु कीमोथेरेपी की आवश्यकता होती है जिसकी एक डोज पर 5 से 26 हजार रूपये खर्च आता है। साथ ही ईलाज के दौरान दी जाने वाली दवाई और आने-जाने का खर्च अतिरिक्त रूप से मरीज को वहन करना पड़ता है। एक मरीज को कीमो का 6 से 7 डोज दिया जाता है। इससे मरीज को बहुत अधिक आर्थिक बोझ सहना पड़ता है। स्व बिसाहू दास स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय संबंध अस्पताल के ट्रामा सेंटर में कैंसर रोग-रेडियोथेरेपी विभाग की डे-केयर कीमोथेरेपी की सुविधा प्रारंभ होने से मरीजों को उक्त खर्चों से पूरी तरह छुटकारा मिलेगा एवं उनकी आर्थिक बचत होगी। कैंसर यूनिट में कैंसर रोग की स्क्रनिंग के साथ साथ-साथ कीमोथेरेपी की सुविधा तथा इसके साथ इससे संबंधित अन्य दवाईयों भी नि:शुल्क दी जायेगी।

डॉ. केशरी ने कैंसर के लक्षण की पहचान के संबंध में बताया कि इसका लक्षण बहुत विविधतापूर्ण हो सकता है। उन्होंने बताया कि कैंसर का लक्षण हो सकता कि वे बिल्कुल ना पाए जाए। इसी प्रकार कुछ मरीजों में असमान्य गाँठे, समझ ना आने वाला बुखार रात में पसीना आना या अनजाने में वजन में हुई वृद्धि या कमी, पाचन संबंधी समस्या कब्ज या दस्त होना, आवाज बदल जाना, लिम्फ नोड्स में सूजन, त्वचा के रंग में बदलाव इसके लक्षण में शामिल हैं। ऐसे लक्षणों वाले मरीज स्व बिसाहू दास स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सबंध अस्पताल कोरबा के ट्रामा सेंटर बिल्डिंग, प्रथम तल में प्रात: 8 से दोपहर 2 बजे तक में कैंसर रोग-रेडियोथेरेपी विभाग की डे-केयर में इलाज की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं।

फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से मिल रही ज्ञानवर्धक जानकारी, बच्चों ने सामान्य ज्ञान क्विज प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया

श्रीकंचपनथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आजादी की 76 वीं वर्षगांठ पर छायाचित्र प्रदर्शनी लगाई गई है। प्रदर्शनी का अवलोकन आम नागरिक महाविद्यालय के विद्यार्थियों और स्कूली बच्चों द्वारा उत्साह पूर्वक कर रहे हैं।

रायपुर के बी.पी. पुजारी स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल, संत कंवर राम शासकीय स्कूल कटोरा तालाब, शासकीय हाई और मीडिल स्कूल पुरैना रायपुर, शहीद भगत सिंह शासकीय स्कूल, माधराव स्प्रे शासकीय स्कूल रायपुर के विद्यार्थियों के लिए क्विज प्रतियोगिता भी रखी गई थी। जिसमें लगभग 200 बच्चों ने बढ़ चढ़कर कर भाग लिया। बच्चों को प्रदर्शनी के माध्यम से ज्ञानवर्धक बातें भी बताई जा रही है। ताकि बच्चों को आगे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने में आसानी हो क्विज के माध्यम से इतिहास, संस्कृति, अंग्रेजी, कृषि और रायपुर के प्रसिद्ध जगह और अन्य महत्वपूर्ण विषय के संबंध में प्रतियोगिता में प्रश्न पूछे गए और सही जवाब देने वाले बच्चों को तुरंत इनाम देकर पुरस्कृत भी किया गया।

छाया चित्र का अवलोकन कक्षा 10वीं छात्रा पुष्पांजलि मानिकपुरी, पूनम पटेल, पूर्वी ध्रुव, यामिनी, पूरवीनी धृतलहरे, पूर्वी मनहर ने बताया की आज उनको प्रर्दशनी देखर बहुत अच्छा लगा आम जनो के लिए जिसमें भारत के पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और पूर्व प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी का छत्तीसगढ़ के प्रवास दौरान, भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का परिचय सहित फटो प्रदर्शनी देखकर छत्तीसगढ़ शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की भी जानकारी मिली।

विद्यार्थियों ने बताया कि छायाचित्र प्रदर्शनी के माध्यम से बहुत सारी ज्ञानवर्धक जानकारी मिल रही है। अन्य साथियों को भी इसकी जानकारी देंगे ताकि वे भी इसका लाभ उठा सकें। कक्षा आठवीं की अंजल साहू, आशा, मोनिका ध्रुव, स्नेहा अन्य विद्यार्थियों ने क्विज प्रतियोगिता के साथ और सांस्कृतिक कार्यक्रम में बढ़चढ़ कर भाग लिया प्रर्दशनी का अवलोकन श्रीमती अर्पना सिंह, श्रीमती प्रीति गुप्ता, रोशनी प्रधान, श्रीमती अंजू राघव, श्रीमती आशा सिंह ठाकुर, बंसती वर्मा, अस्मा फारूकी, श्री सुधीर पांडे आदि अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों ने अवलोकन किया।

जिले को मिली दो नई अग्निशमन वाहन,अब और तेजी से होगी आपातकालीन सेवा की पहुंच

बलौदाबाजार। छत्तीसगढ़ नगर सेना विभाग द्वारा जिले को दो नई अग्निशमन वाहन आवंटित की गई है जिससे आगजनी की घटनाओ पर जल्द काबू पाने में मदद के साथ ही आपातकालीन सेवा की शीघ्र पहुंच उपलब्ध होगी। कलेक्टर चंदन कुमार ने बुधवार को कलेक्टोरेट परिसर में दोंनो अग्निशमन वाहन की चाबी जिला नगर सेनानी श्री एसडी विश्वकर्मा को सौंपी। दो नई वाहन मिलने से अब जिले में अग्निशमन वाहन की संख्या बढ़कर 5 हो गई है। कलेक्टर कुमार ने जिला नगर सेनानी श्री विश्वकर्मा से अग्निशमन वाहनों के रख-रखाव एवं फायर ब्रिगेड टीम के सम्बन्ध में जानकारी ली। श्री विश्वकर्मा ने बताया कि अग्निशमन वाहनो को शहर में रखने के लिए शेड युक्त स्थान नही मिल पाया है जिसके कारण जिला नगर सेनानी कार्यालय परिसर में ही रखा जा रहा है जो शहर से दूर में है।

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास-खबर

सलमा का कंकाल खोजने की मिली अनुमति, होगी सड़क की खुदाई

कोरबा (ए)। कुसमुंडा थाना क्षेत्र निवासी व न्यूज एंकर सलमा सुल्ताना लस्कर के हत्यारों की गिरफ्तारी पुलिस ने कर ली है, पर अभी तक सलमा का कंकाल नहीं मिल सका है।

आरोपियों द्वारा स्थल चिंहांकित करने के बाद पुलिस ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) के समक्ष स्थल पर खुदाई करने आवेदन दिया था। इस पर स्वीकृति मिल गई है और पुलिस अब जब्त ही संभावित स्थल की खुदाई कर कंकाल की तलाश करेगी। न्यूज एंकर सलमा की हत्या कर आरोपितों ने पांच वर्ष पहले 21 अक्टूबर 2018 को शव कोहड़िया के पास दफ्न कर दिया था। अब आरोपी मधुर साहू, सहयोगी कौशल श्रीवास के पकड़ाने के बाद पुलिस के समक्ष कंकाल बरामद करना चुनौती बन गया है। शव दफनाने में सहयोग करने वाले अतुल शर्मा की निशानदेही पर पुलिस ने जगह चिंहांकित कर लिया है। इसके बाद खुदाई करने के लिए अनुविभागीय दंडाधिकारी के न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया था। दर्री सीएसपी राबिंसन गुड़िया ने बताया कि आवेदन पर स्वीकृति मिल जाने पर अब दो- तीन दिन के भीतर उक्त स्थल पर खुदाई की जाएगी।

भीषण सड़क हादसे में मां और बेटे की मौत

धमतरी (ए)। धमतरी जिले में दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। धमतरी-नगरी रोड में केरेगांव के पास ट्रक ने कार को सामने से टक्कर मार दिया। दुर्घटना में मां और बेटे की मौत हो गई। पुत्री गंभीर रूप से घायल है। उसका रायपुर के अस्पताल में उपचार चल रहा है।

केरेगांव पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 17 अगस्त की 11.45 बजे दुर्घटना हुई। धमतरी-नगरी रोड में ग्राम सियादेही के अन्नपूर्णा राइस मिल के पास धमतरी से नगरी जा रही स्विफ्ट कार को सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दिया। कार में सवार नीलिमा चोपड़ा 45 वर्ष पत्नी भावेश चोपड़ा और उनके बेटे भव्य चोपड़ा (12 वर्ष) की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। बेटी भूमिका चोपड़ा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल धमतरी लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डाक्टर ने रायपुर रेफर कर दिया। कार के ड्राइवर को हल्की चोट आई है।

बकरे की हत्या का अनोखा मामला, शव लेकर थाने पहुंचा मालिक, ट्रेक्टर चालक पर लगाया आरोप

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर में बकरे की हत्या का अनोखा मामला सामने आया है। गुरुवार को बकरा मृत हालत में मिला। बकरे के मालिक को पता चला तो वह बकरे का शव लेकर थाने पहुंचा और ट्रेक्टर चालक युवक पर उसकी हत्या का आरोप लगाया। बकरे के मालिक से मुआवजा लेने के बजाय केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की। मामला रतनपुर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

मिली जानकारी के अनुसार बछाली खुर्द गांव निवासी परदेशी राम गोंड खेती किसानी के साथ की बकरा पालन भी करता है। गुरुवार दोपहर को खेत में काम करने के दौरान उसके बेटे ने बताया कि एक बकरे की मौत हो गई। घर पहुंचकर देखा तो बकरे को मारकर पैरावट में छिपा दिया गया। इसके बाद परदेशी ने जानकारी जुटाई तो पता चला कि मोहदा गांव निवासी उमाशंकर राजपूत ने बकरे की गला दबाकर हत्या की और उसे पैरावट में छिपा दिया।

उमाशंकर राजपूत ट्रैक्टर चालक है। इधर जैसे ही उमाशंकर को पता चला कि उसके खिलाफ शिकायत हुई है तो उसने बकरे के शव को ट्रेक्टर से शव को लेजाकर गांव से एक किमी की दूरी पर फेंक आया। गांववालों की सूचना पर परदेशी ने फेंकी गई जगह से शव का उठाया और थाने पहुंच गया। गुरुवार रात को थाने में गहमा गहमी का माहौल रहा। पुलिस ने इस मामले में मुआवजा लेकर समझौता कराना चाहा लेकिन परदेशी मुआवजा की जगह केस दर्ज कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस के आश्वासन देने के बाद परदेशी अपने बकरे के शव को लेकर वापस लौटा। पुलिस ने टेक्टर चालक उमाशंकर से पूछताछ की लेकिन उसने बकरे को मारने की बात से इनकार किया है। पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई की बात कही है।

नाबालिग का अपहरण के बाद रेप

बहला फुसलाकर ले गया आंध्र प्रदेश, मांग में सिंदूर भरकर किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। नांदघाट थाना क्षेत्र में नाबालिग के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इलसे बाद युवक ने बालिका की मांग में सिंदूर भरकर उसके साथ दुष्कर्म किया। शिकायत के बाद गुरुवार को आरोपी युवक गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

नांदघाट थाना प्रभारी जगदीश सिदार ने बताया कि नाबालिग लड़की के भाई ने 31 जुलाई को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। भाई ने आवेदन में बताया कि उसकी बहन 31 जुलाई को स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन स्कूल की छूट्टी होने के बाद वह घर वापस नहीं आई। इस मामले में पुलिस की जांच शुरू हुई। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी ओमप्रकाश ऊर्फ परदेशी चंदेल पिता सुखनंदन चंदेल (21) के कब्जे से पुलीवेंडेला जिला वयासर-कडप्पा

(आंध्रप्रदेश) से नाबालिग को बरामद किया है।

थाना प्रभारी के मुताबिक, आरोपी ओम प्रकाश किशोरी को प्रलोभन देकर बहला-फुसलाकर भगाकर ले गया। साथ ही मांग में सिंदूर भरकर दुष्कर्म किया। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। गुरुवार को आरोपी को जिला कोर्ट बेमेतरा में पेश किया गया, जहां उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

यातायात डीएसपी ने लगाई पैरेंट्स की क्लास

ट्रैफिक कंट्रोल रूम में दिखाई शॉर्ट फिल्म और रोड सेफ्टी के दिए टिप्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर में स्टंटबाजी करने वाले बाइकर्स को लेकर यातायात पुलिस सख्त हो गई है। एक दिन पहले सेंट्रल एवेन्यू पर स्टंटबाज बाइकर्स के खिलाफ कार्रवाई करते हुए यातायात पुलिस ने 18 बाइक जब्त की थी। इसके दूसरे दिन गुरुवार को पुलिस ने सभी बाइकर्स के पैरेंट्स को ट्रैफिक कंट्रोल रूम में बुलाया और इन्हें समझाइश दी। यातायात डीएसपी सतीश ठाकुर ने पैरेंट्स को रोड सेफ्टी पर बनी शॉर्ट फिल्म भी दिखाई और अपने बच्चों को बाइक देते समय इस तरह की स्टंटबाजी व यातायात नियमों का उल्लंघन न करने की सीख देने समझाइश देने की अपील भी की।

बता दें यातायात पुलिस ने सेंट्रल एवेन्यू पर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्टंटबाज बाइकर्स के खिलाफ

कार्रवाई की थी। इस दौरान कुल 18 बाइक जब्त कर उनसे 78 हजार रुपए का जुर्माना भी वसूला। इसके दूसरे दिन बाइकर्स के पैरेंट्स को बुलाकर उनकी क्लास लगाई। यही नहीं स्टंटबाजी करने वाले वाहन चालकों के लाइसेंस सस्पेंड करने परिवहन विभाग भेजने की कार्रवाई भी शुरू की गई है।

स्टंट बाईकर्स के परिजनों को यातायात मुख्यालय बुलाकर बच्चों पर विशेष ध्यान देने के लिए समझाइस दी गई। स्टंट बाईकर्स चालकों को भविष्य में इस प्रकार लापरवाही न करने की शपथ भी दिलाई गई। यातायात डीएसपी सतीश ठाकुर ने आम लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि आपके क्षेत्र में भी ऐसे वाहन चालक है तो उनका फोटो और वीडियों यातायात हेल्प नंबर 9479192029 पर भेजे।

सात साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म, बहला फुसलाकर मासूम को ले गया था पड़ोसी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा के सारागांव थाना क्षेत्र की रहने वाली सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। बच्ची के घर में आरोपी का आना-जाना लगा रहता था।

सारागांव थाना प्रभारी संजीव बैरागी ने बताया कि आरोपी दीपक सूर्यवंशी (26) 13 अगस्त को पड़ोस की बच्ची को बहला कर अपने साथ उसके घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। किसी तरह से वह घर से भाग गई और रोते हुए अपने साथ हुए घटना की जानकारी अपने माता पिता को दी। माता-पिता ने थाने में आकर रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसपर आरोपी दीपक सूर्यवंशी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ग्राम अफरीद पहुंची हुई थी। मगर आरोपी घटना के बाद से फरार हो गया था। उसकी तलाश में पुलिस लगातार तलाशी

अभियान चला रही थी। सूचना मिली कि आरोपी अपने घर में छुपा है जिसपर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की गई और आरोपी दीपक सूर्यवंशी को उसके घर से पकड़ा गया। पुलिस हिरासत में लेकर आरोपी से पूछताछ की गई जिसमे आरोपी दीपक सूर्यवंशी ने अपना जुर्म स्वीकार किया जिसपर आरोपी दीपक सूर्यवंशी के खिलाफ धारा 376 क, ख,377 भादवि 4 पोस्को एक्ट जोड़ी गई। आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

जिला अस्पताल से चोरी हुआ चार माह का बच्चा, सीसी टीवी फुटेज में सामने आई महिला की तस्वीर

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बच्चा चोरी का मामला सामने आया है। यहां के जिला अस्पताल से गुरुवार को बच्चा चोरी होने से हड़कंप मच गया। चार माह के बच्चे को एक महिला अपने साथ ले गई। बच्चा ले जाती महिला सीसी टीवी में कैद हो गई है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, कुरुडीह निवासी अंजू यादव तबीयत खराब होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसके साथ उसका 4 महीने का बेटा भी था। गुरुवार को उसका बेटा अचानक गायब हो गया। इसके बाद बच्चे की काफी तलाश की गई लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। इसके बाद घटना की

सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शुरुआती जांच के दौरान अस्पताल के सीसी टीवी फुटेज की जांच की। सीसी टीवी फुटेज में एक महिला बच्चे को ले जाती दिखी।

बच्चे की मां ने महिला की पहचान भी की है। बच्चे की मां ने पुलिस को बताया कि अस्पताल में भर्ती होने के बाद यह महिला पिछले दो दिनों से उससे मिल रही थी और बच्चे को खिलाती थी। महिला परिवार के साथ घुल मिल गई थी। महिला ऐसा करेगी यह किसी ने सोचा भी नहीं और उसका नाम या पता आदि भी नहीं पूछा। गुरुवार को भी महिला बच्चे को खिलाते हुए मौका देखकर उसे लेकर भाग गई। आरोपी महिला गुलाबी रंग के कपड़े पहने हुए हैं। पुलिस सीसी टीवी फुटेज के आधार पर महिला की तलाश में जुट गई है।

नर कंकाल मिलने से सनसनीः पुलिस बता रही 20 दिन पहले लापता युवक के अवशेष, फोरेंसिक जांच में खुलेगा राज

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में नरकंकाल मिलने से सनसनी फैल गई है। यहां के एक जंगल में यह कंकाल मिला जिसकी सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस जांच शुरू कर दी है। नरकंकाल की शिनाख्त को लेकर पुलिस स्पष्ट दावा नहीं कर पा रही है। हालांकि पुलिस ने संभावना जताई है कि यह कंकाल लगभग 20 दिन पूर्व से लापता रंगोले गांव निवासी प्रकाश सिंह कंवर पिता कृपाल सिंह (26) की है। फिलहाल पुलिस ने कंकाल के सैंपल जांच के लिए भेजा है। जांच रिपोर्ट आने

के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

मिली जानकारी के अनुसार पाली थाना क्षेत्र के जंगल में नरकंकाल मिले हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कंकाल के अवशेष व वहां मिले कपड़ों को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। कंकाल के अवशेष की शिनाख्त के लिए पुलिस ने आसपास के लापता लोगों की जानकारी जुटाई है। पुलिस को आशंका है कि यह अवशेष ग्राम रंगोले निवासी प्रकाश सिंह कंवर की है। हालांकि पुलिस इसे लेकर पुख्ता नहीं है। फिलहाल फोरेंसिक जांच के लिए सैंपल को भेज दिया गया है।

पाली थाना प्रभारी अभिनवकांत सिंह ने बताया कि नर कंकाल किसका है, यह तो फिलहाल जांच के बाद स्पष्ट होगा। लेकिन मौके से मिले कपड़े के आधार पर रंगोले निवासी प्रकाश सिंह कंवर के रूप में इसी पहचान हुई है। प्रकाश सिंह 26 जुलाई से लापता है। इस संबंध में परिजनों ने पुलिस थाने में किसी प्रकार की शिकायत दर्ज नहीं कराई है। परिजनों ने बताया कि प्रकाश सिंह शराब पीने का आदी है ओर अक्सर घर से गायब रहता है और 15-20 दिनों में एक बार वापस आता है। पुलिस को मौके पर शराब पार्टी के भी प्रमाण मिले हैं। पुलिस को यह भी आशंका है कि प्रकाश सिंह ने यहां कुछ लोगों के साथ बैठकर शराब पी और उसके बाद कोई अनहोनी हुई हो। फिलहाल रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. __- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

हिंदी फिल्मों के यादगार नगमों ने बांधा समां

भिलाई। इस्पात नगरी की 4 दशक पुरानी सांस्कृतिक संस्था मेटलर्जिकल म्यूजिक मेकर्स (3 एम) ने स्मृति गृह निर्माण सहकारी समिति के साथ मिल कर आजादी का अमृत महोत्सव के तहत संगीत संध्या का आयोजन किया। विवेकानंद सभागार में आयोजित इस समारोह में 3 एम के मंजे हुए कलाकारों ने देशभक्ति गीतों से समां बांध दिया। लगभग तीन घंटे तक चले इस कार्यक्रम में पूरा हॉल खचाखच भरा रहा। सुधि श्रोताओं ने गायकों पर भरपूर स्नेह लुटाया. आखिरी प्रस्तुति पर तो कलाकार और श्रोता एक साथ नृत्य करने लगे। इस कार्यक्रम में सबकुछ परफेक्ट रहा। मन तड़पत हरि दर्शन को आज के साथ ट्रिपल एम के संयोजक ज्ञान चतुर्वेदी ने गीतों की लंबी श्रृंखला का आगाज किया। अंतिम गीत ङ्क ओ हसीना जुल्फें वालीञ भी ज्ञान चतुर्वेदी ने ट्रिपल एम की संस्थापक सदस्य शिखा मोइत्रा के साथ प्रस्तुत किया। जिस पर श्रोताओं के साथ ही ट्रिपल-एम के कलाकार भी थिरकने लगे। स्मृति गृह निर्माण सहकारी संस्था के अध्यक्ष राजीव चौबे पूरे आयोजन के दौरान मौजूद रहे। कार्यक्रम में कालजयी देशभक्ति गीतों के साथ ही सुपर हिट गीतों की भी सुमधुर प्रस्तुतियां दी गईं। जीएमएस नायडू द्वारा ओ मेरी ओ मेरी ओ मेरी शर्मीली ज्ञान चतुर्वेदी द्वारा तू गंगा की मौज मैं जमुना की धारा, अजय लोंधे द्वारा ये देश है वीर जवानों का तथा आज से पहले आज से ज्यादा, सतीश जैन द्वारा कर चले हम फिदा जानो तन साथियोंज़, भागवत टावरी द्वारा पुकारता चला हूँ मैं एवं किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार, दीपक रंजन दास द्वारा ऐ मेरे प्यारे वतन, श्याम शेखर द्वारा चलते चलते मेरे ये गीत एवं है।

सांसद विजय बघेल को पाटन विधानसभा प्रत्याशी घोषित करने पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

दुर्ग। भारतीय जनता पार्टी केंद्रीय चुनाव समिति के द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ के घोषित 21 विधायक प्रत्याशियों में दुर्ग जिला संगठन के अंतर्गत आने वाले पाटन विधानसभा से सांसद विजय बघेल को प्रत्याशी घोषित किया गया, दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में जैसे ही यह खबर पहुंची दुर्ग जिला कार्यालय में कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह और हर्ष का माहौल बन गया। कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को बधाई देकर केंद्रीय नेतृत्व द्वारा टिकट वितरण की सराहना की। दुर्ग जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल नगाड़ों की थाप के बीच एक दूसरे का मुंह मीठा किया एवं आतिशबाजी कर विजय बघेल के जीतने और छत्तीसगढ़ में पुन: भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने की अग्रिम बधाइयां दी। इस अवसर पर जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्यों का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूं जिन्होंने प्रदेश के आतताई मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से मुक्ति के लिए प्रदेश में सर्वाधिक मतों से लोकसभा चुनाव जीतने वाले और पूर्व में भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पटकनी देने वाले सांसद विजय बघेल को पाटन विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किया। अब मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तैयार रहें, उनकी और उनकी पार्टी की प्रदेश में और पाटन विधानसभा में हार सुनिश्चित है। मैं भारतीय जनता पार्टी दुर्ग जिला के समस्त पदाधिकारी में कार्यकर्ताओं की ओर से सांसद विजय बघेल जी को जीत की अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

विधायक देवेंद्र यादव करेंगे प्रगति यात्रा, 19 अगस्त को शंखनाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर के युवा विधायक देवेंद्र यादव शहर की जनता से मिलने प्रगति यात्रा करेंगे। 19 अगस्त से विधायक देवेन्द्र अपने विधानसभा क्षेत्र में प्रगति यात्रा शुरू करेंगे। इस दौरान हर वार्ड के हर गली मोहल्ले से होकर यह प्रगति यात्रा गुजरेगी। विधायक देवेंद्र यादव पैदल पूरे वार्डों का भ्रमण करेंगे। इस यात्रा की शुरूआत सेक्टर 9 से की जाएगी।

251 किलोमीटर का तय करेंगे सफर

जो पूरे टाउनशिप के वार्डों से होते हुए खुर्सीपार छावनी के अंतिम वार्ड और अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुंच कर समाप्त होगी। इस यात्रा में विधायक देवेन्द्र यादव कुल 251 किलोमीटर पैदल चलेंगे और लोगों से भेंट मुलाकात करेंगे। साथ ही वार्डों में विकास कार्य का भूमिपूजन और लोकार्पण किया जाएगा। बता दें चुनाव जीतने के बाद से लगातार जनता के बीच में है। लोगों के संपर्क में रहते हैं। चुनाव जीतने के बाद विधायक देवेंद्र यादव ने भिलाई संकल्प यात्रा निकाली। फिर आमजन के साथ वार्ड के बैठकर चाय पर चर्चा की। इसके बाद कोरोना काल आया। तब भी विधायक देवेंद्र यादव लोगों से ऑनलाइन माध्यम से जुड़े रहे और ऑनलाइन संवाद किए। लोगों की मदद की। इसके बाद हर वार्ड के हर गली मोहल्ले में चौपाल लगाकर भेंट मुलाकात किया गया। भेंट-मुलाकात के दौरान विधायक देवेंद्र यादव खुद हर घर तक पहुंचे और लोगों से मिले। इसके बाद स्वतंत्रता दिवस के पहले उन्होंने तिरंगा यात्रा निकाली। जिसमें उन्होंने 76 किलोमीटर की पदयात्रा की। अब वे प्रगति यात्रा की शुरूआत करने वाले है।

जनप्रतिनिधि और जनता के बीच की दूरी मिटाई

विधायक देवेंद्र यादव भिलाई नगर के पहले ऐसे जनप्रतिनिधि हैं, जिसे लोग नेता नहीं अपना बेटा मानते है। विधायक देवेंद्र यादव जब से विधायक बने हैं तब से वे लगातार जनता के बीच ही रहे हैं। जनप्रतिनिधि और जनता के बीच की दूरी को पूरी तरह से खत्म कर दिए है। पहले के नेता एक बार चुनाव ?जीतने के बाद दोबारा कभी चेहरे दिखाने वार्ड में नहीं जाते थे। लेकिन विधायक देवेंद्र यादव ऐसे विधायक हैं, जिनसे लोग चाहे तो रोज और बड़ी ही आसानी से मिल जाते है। लोगों को विधायक के पास जाने की जरूरत नहीं पड़ती वे खुद लोगों के घरों में जाकर उनसे मिलते है। उनकी समस्या पूछते है और समाधान करते हैं।

पहले दिन सेक्टर-9 को मिलेगी 1 करोड़ से ज्यादा की सौगात

शनिवार 19 अगस्त से शुरू होने वाली इस प्रगति यात्रा में पहले दिन सेक्टर 9 वार्ड 69 में नाली निर्माण कार्य, उद्यान निर्माण एवं संधारण, बैडमिंटन कोर्ट वॉलीबाल कोर्ट निर्माण से संबंधित 45.40 लाख के कार्यों का लोकार्पण होगा। वहीं आगामी शुरू होने जा रहे विकासकार्यों में प्रकाश व्यवस्था, उद्यान निर्माण, पेवर ब्लॉक, डोम शेड निर्माण, वाटर एटीएम लगाए जाने से जुड़े 58 लाख के कार्यों का भूमिपूजन भी किया जाएगा।

कर्मचारियों को 3 से 4 हजार का फायदा

सातवें वेतनमान पर अब निगम कर्मियों को 9 प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के कर्मचारियों को हर माह 3 से 4 हजार का फायदा मिलेगा। निगम आयुक्त आशीष देवांगन ने कर्मचारियों को 9 प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ता देने के आदेश दिए है। रिसाली में यह आदेश अगस्त से लागू होगा।

उल्लेखनिय है कि पूर्व में निगम कर्मियों को छटवे वेतमान के पहले से 10 प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ता मिल रहा था। शासन का नया आदेश आते ही निगम आयुक्त आशीष देवांगन ने अगस्त 2023 से कर्मचारियों को सातवे वेतनमान पर 9 प्रतिशत गृह भाड़ा भत्ता देने का आदेश जारी किया है। बढ़े हुए गृह भाड़ा भत्ता दिए जाने पर निगम कर्मियों में हर्ष का माहौल है।

डीए भी 42 प्रतिशत

नए आदेश जारी होते ही कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष गोपाल सिन्हा ने आयुक्त से सौजन्य मुलाकात की। उन्होंने संगठन की ओर से आयुक्त का आभार व्यक्त किया। संगठन के अध्यक्ष गोपाल सिन्हा ने कहा कि नियमित वेतन के साथ कर्मचारी अधिकारियों को बढ़ा हुआ 42 प्रतिशत डीए मिल रहा है।

57 कर्मचारियों को मिला लाभ

वर्तमान में रिसाली नगर पालिक निगम में 57 नियमित अधिकारी कर्मचारी है। गृह भाड़ा भत्ता बढ़ने से 3 से 4 हजार रूपए का फायदा होगा। वर्तमान में रिसाली निगम में द्वितीय श्रेणी के 3, तृतीय श्रेणी 41 और चतुर्थ श्रेणी के 13 कर्मचारी पदस्थ है।

बाजार क्षेत्र को हरा भरा करने व खूबसूरत बनाने के लिए दुकानों के सामने लगाए पेड़

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत शहर के इंदिरा मार्केट बाजार क्षेत्र को हरा भरा करने व खुबसुरत बनाने के लिए नगर पालिक निगम द्वारा आज चंपा और कनेर के गमले पौधे इंदिरा मार्केट में वितरित किया गया।सभी दुकानदारों द्वारा अपनी स्वेच्छा से 300 रुपये जमा कर रसीद प्राप्त कर अपने दुकान के सामने रखने का निर्णय लिया गया है।दुकानदारो द्वारा सहयोग से बाजार क्षेत्र के दुकानो के सामने गमले में पौधा का वितरण आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निगम अफ्सरों के साथ प्रारंभ किया।नगर निगम क्षेत्र के व्यापारियों के सहयोग से शहर के बाजार क्षेत्र के दुकानों के सामने गमले में पौधा रखने के अभियान की शुरूवात की गई।दुकानदार अपने दुकान के सामने गमले में पौधा रखेगें ताकि मार्केट क्षेत्र हरा भरा और खुबसुरत दिखे। इसके लिए 50 गमले सहित पौधे का वितरण निगम द्वारा इंदिरा मार्केट में किया गया। निगम के अन्य दुकानों में भी पौधे वितरित किये जायेंगे।इस दौरान सहायक अभियंता जितेंद्र समैया,स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली,सहायक बाजार अधिकारी थानसिंह यादव,उद्यान प्रभारी अनिल सिंह,भुवनदास साहू,ईश्वर वर्मा के अलावा संकेत धर्मकार आदि शामिल रहें।

भिलाई निगम मुख्यालय में शुरु हुआ हेल्प डेस्क एक ही स्थान पर मिलेगी नागरिकों को जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। निगम मुख्यालय सुपेला में अपने मकान, भूमि, टैक्स जैसे कार्यो के लिए आने वाले नागरिकों को एक ही स्थान पर जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। जहॉ शासन की जनकल्याणकारी योजना तथा आवेदन की जानकारी दी जावेगी। नागरिकों की सुविधा के लिए निगम भिलाई में हेल्प डेस्क की स्थापना कर प्रारंभ किया गया है। हेल्प डेस्क के माध्यम से निगम में विभिन्न कार्यो के लिए आने वाले नागरिकों को अपने कार्य के लिए अब विभाग में भटकना नहीं पड़ेगा, सभी तरह के कार्य की जानकारी इस एकल खिड़की में मिल जाएगी। महापौर नीरज पाल एवं आयुक्त रोहित व्यास के मार्गदर्शन में शुरू किये गए हेल्प डेस्क में नागरिक अपने आवेदन जमा कर आवेदन की स्थिति के बारे में अवगत हो सकेगें। हेल्प डेस्क में बैठे हुए कर्मचारी राशन कार्ड, सम्पत्तिकर, आवास, रजिस्ट्री, जन्म, मृत्यु, लाइसेंस नवीनीकरण, पेंशन, आधार कार्ड जैसे नागरिक सुविधाओं के संबंध में निगम के विभिन्न विभागो में किए जाने वाले कार्य की पूरी जानकारी भी नागरिकों को उपलब्ध कराएंगे। बता दे कि अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी एवं प्रोग्रामर सुश्री दिप्ती साहू की उपस्थिति में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने विभाग में किये जा रहे कार्यो की प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत कर हेल्पडेस्क में बैठने वाले कर्मचारियों को प्रशिक्षित भी किया जा चुका है। भिलाई निगम क्षेत्र के नागरिकगण एवं हितग्राही किसी भी प्रकार की समस्या या किसी योजना का लाभ लेने से संबंधित जानकारी के लिए निगम मुख्यालय में आते है और कौन से कार्य किस विभाग से पूर्ण होगा इसकी पूरी जानकारी नहीं होने से परेशान होते है इस स्थिति से बचने के लिए महापौर एवं आयुक्त के निर्देश पर हेल्प डेस्क प्रारंभ किया गया है जहॉ नागरिकों को एक ही स्थान पर सभी विभागों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंधित, इन वस्तुओं का प्रयोग करेंगे तो देना होगा जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत केंद्र व राज्य सरकार के नए आदेश के क्रम में नगर निगम ने शहर में पालीथिन एवं सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है। उल्लंघन करने पर बड़ी कार्रवाही कर जुर्माना लगाने का आदेश जारी किया गया है।

राज्य सरकार ने नियमावली जारी कर पूरे प्रदेश में सिंगल यूज प्लास्टिक व पालीथिन पर प्रतिबंध लगा दिया है, सभी प्रतिबंध समाप्त होने व प्रदूषण को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार व राज्य सरकार के आदेश पर नगर निगम आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने कमेटी गठन कर शहर क्षेत्र के दुकानदारो पर सिंगल यूज प्लास्टिक व पालीथिन का उपयोग रोकने व जुर्माना वसूलने की तैयारी कर ली है।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निगम की टीमों को गुरुवार से जुर्माने की कार्रवाई का आदेश दिया है।सिंगल यूज प्लास्टिक से मुक्ति के लिए राज्य सरकार की ओर से पालीथिन कैरीबैग समेत प्लास्टिक व थर्माकोल से बने सिंगल यूज उत्पादों के उपयोग, उत्पादन एवं बिक्री पर प्रतिबंध के बाद नगर निगम ने शहर में व्यापक अभियान की तैयारी की है। नियमों का उल्लंघन करने पर 100 रुपये से लेकर 50 हज़ार रुपये तक के जुर्माना लगाने का आदेश दिया गया है। शहर में प्लास्टिक व पालीथिन के कैरीबैग समेत पीईटी,प्लास्टिक बोतल, कप, गिलास,प्लास्टिक और थर्माकोल से बने पत्तल, कप, गिलास आदि का धड़ल्ले से उपयोग हो रहा है। आयुक्त ने सख्त कार्रवाही के निर्देश अधिकारियों को दिए है।बता दे कि प्लास्टिक-पालीथिन व थर्माकोल के उत्पाद एक बार उपयोग के बाद यत्र-तत्र फेंके जाने से ये नालियों और सीवरेज सिस्टम में अवरोध पैदा कर रहे तो प्लास्टिक में मौजूद रंग,पिंगमेंट, प्लास्टिक में लिपटे खाद्य पदार्थों को दूषित करता है।साथ ही प्लास्टिक अपशिष्ट और माइक्रो प्लास्टिक जैवविविधता के लिए खतरे का कारण भी बनता जा रहा है। इसे देखते हुए नगर निगम ने अब सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई हेतु टीमें तैयार कर दी हैं। पालीथिन कैरी बैग, प्लास्टिक-थर्माकोल से बनी थैलियों, चाकू समेत पैंकिंग सामग्री के प्रयोग, बिक्री, उत्पादन, भंडारण व परिवहन पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण को देखते हुए प्रतिबंधित पॉलीथिन की कार्रवाई में तेजी लाई जाएगी। सिंगल यूज प्लास्टिक को डिस्पोजेबल प्लास्टिक भी कहा जाता है।सिंगल-यूज प्लास्टिक को एक बार इस्तेमाल करने के बाद छोड़ दिया जाता है। ऐसे प्लास्टिक का अक्सर उचित तरीके से निपटान नहीं किया जाता है और इसे रिसाइकिल भी नहीं किया जा सकता।

युवा सेवा संघ की विशाल देशभक्ति यात्रा से रंगा शहर

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। युवा सेवा संघ भिलाई दुर्ग के तत्वधान में संत आसाराम जी बापू की पावन प्रेणा से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर में एक विशाल देशभक्ति तिरंगा यात्रा निकाली गयी,यह यात्रा छावनी चौक भिलाई से निकाल कर संत आशारामजी बापू आश्रम बेलौदी दुर्ग तक निकाली गई, जगह जगह रैली का स्वागत किए गए जैसे शांति चौक कैलाश नगर भिलाई,18 न रोड कैंप 1,अवंती बाई चौक कोहक पर यात्रा का स्वागत करने के लिए लोग पहुंचे हुए थे, चौक चौराहे पर शहीदों की मूर्ति पर माल्यार्पण युवा सेवा संघ द्वारा किए हमारे रैली का स्वागत करने पहुंचे योग वेदांत सेवा समिति के अध्यक्ष चंदू चंद्रकार, कोषा अध्यक्ष शिव कुमार चापले,यात्रा की सराहना भी किए, चापले जी ने कहा कि आज के युवाओं में देशभक्ति होना बहुत जरूरी है क्योंकि यही युवा हमारे देश की आधारशिला है ।

वेयरहाउस के चेयरमैन विधायक अरुण वोरा ने किया नागपुर फूड टेस्टिंग लैब का निरक्षण

छत्तीसगढ़ में जल्द बनकर तैयार हो जाएगा मध्यभारत का प्रथम फूड टेस्टिंग लैब

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन के चेयरमैन एवं वरिष्ठ कांग्रेसी विधायक अरुण वोरा ने अपने स्टेट वेयरहाउस के प्रबंध संचालक आईएएस धर्मेश साहू , तकनीकी अधिकारी आगा खान एवं युवा कांग्रेस आईटी सेल के सदस्य चिराग शर्मा के साथ नागपुर में एनाकोन फूड टेस्टिंग लेबोरेटरी का निरक्षण किया ।

खाद्य गुणवत्ता की मूल्यांकन में सुधार करने और सुरक्षा मानकों की पालन को बढ़ावा देने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण कदम है। इससे पूर्व भी चेयरमैन अरुण वोरा द्वारा गुजरात में रिसर्च लेबोरेटरी का निरक्षण किया गया था । चूंकि राज्य में फूड टेस्टिंग लैब नही है । जिसके कारण राज्य में खाद्य सुरक्षा अधिनियम के नियम को पालन करने के लिए कठिनाई हो रही थी , जिसके लिए राज्य को निजी संस्थान , आयतक , निर्यातक , डीलर , डिस्ट्रीब्यूटर आदि को खाद्य विश्लेषण रिपोर्ट तैयार करने में कठिनाई होती रही है । इस तमाम कठिनाइयों को दूर करने के लिए छत्तीसगढ़ शासन ने स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन को एक अत्याधुनिक फूड टेस्टिंग लैब को स्थापित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई ।

जिसके उपरांत चेयरमैन अरुण वोरा के अथक प्रयासों से स्टेट वेयरहाउसिंग की लैब सेक्टर 13 के ग्राम कायाबंधा में भूखंड क्रय कर फूड टेस्टिंग लैब की स्थापना की जा रही है । इसके अतरिक्त स्टेट वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा लेबोरेटरी स्थापना हेतु समस्त मार्गदर्शन के लिए एनोकॉन लेबोर्टरी प्राइवेट लिमिटेड , नागपुर को अपना तकनीकी सलाहकार नियुक्त किया गया है और इसी संस्था के तकनीकी मार्गदर्शन में लेबोरेटरी का डिजाइन , संचालन प्रक्रिया , इक्विपमेंट्स , मशीनों की रिक्वायरमेंट हेतु मार्गदर्शन लिया जा रहा है एवं निर्माण कार्य की भी सूछमाता से नजर रखी जा रही है ।

स्टेट वेयरहाउसिंग के चेयरमैन एवं विधायक अरुण वोरा ने कहा कि छत्तीसगढ़ के यशस्वी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी के मार्गदर्शन में लगभग 52 करोड़ रुपए की लागत से नवा रायपुर में स्थापित होने वाली मध्य भारत की प्रथम फूड टेस्टिंग लैब में राष्ट्रीय स्तर पर खाद्य मानकों की देखरेख की जाएगी । विधायक वोरा ने कहा कि वह 15 सितंबर तक लैब का कार्य पूर्ण करके मुख्यमंत्री जी के हाथों उद्घाटन कराने की कोशिश करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की नेतृत्व में छत्तीसगढ़ हर क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रहा है ।

सप्ताह भर में निगम ने 252 घुमंतू पशुओं को पकड़कर पहुंचाया गौठान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत अब आवारा पशुओं के अलावा किसी निजी पशु मालिक के मवेशी अगर सड़कों पर बैठे या घूमते पाए जाते है तो उन्हें 500 रुपये प्रति मवेशी जुर्माना देना होगा। घुमंतू पशुओं के विचरण के कारण होने वाले समस्याओं की रोकथाम के लिए किए जा रहे उपायों के लिए आयुक्त लोकेश चन्द्राकर के निर्देश पर निरन्तर शहर क्षेत्र में कार्रवाही की जा रही है।

आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने संबंधित पशुपालकों से अर्थदंड वसूली की कार्रवाई भी करने के निर्देश दिए है। निरन्तर कार्रवाही के लिए अधिकारी-कर्मचारी अलर्ट हैं। आज वार्ड क्रमांक 15 क्षेत्र के गली मोहल्ले में कार्रवाही कर सड़को से आवारा पशुओं को पकड़ने के बाद गौठान में सुरक्षित रखा गया।निगम प्रशासन द्वारा सड़कों पर घुमने वाले मवेशियों से होने वाले सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने एवं असमय मवेशियों की मौतों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अतिक्रमण विभाग की टीम द्वारा मुख्य सड़कों में विचरण करने वाले मवेशियों को हटाने हेतु घेराबंदी कर सप्ताह भर में कुल 252 आवारा मवेशियों को पड़कर पुलगांव गौठान में 133, धमधा रोड सब्जी मंडी में 73 और भिलाई नेवाई गौठान में 46 मवेशियों को छोड़ा गया। अभियान का उद्देश्य मवेशियों के कारण होने वाले सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना एवम आवागमन सुगम बनाना तथा शहर के सड़कों को पशुविहीन बनाना है। इस दौरान मवेशियों के कान में लगे टैग नंबर से मवेशी मालिकों की पहचान कर वैधानिक कार्यवाही भी किया जा रहा है। वही अतिक्रमण विभाग के नोडल अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता ने पशु मालिकों से मवेशियों को अपने संरक्षण में रख कर उचित देखभाल करने, सड़क, दुकान एवं चौक-चौराहो पर मवेशी को आवारा न छोड़ने तथा शहर में यातायात व्यवस्था के सुचारू रूप से संचालन में सहयोग करने अपील की है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950